CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-353
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, रविवार 24 मार्च 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

अच्छे संस्कार और अच्छा व्यवहार आपकी वह कमाई है, जो जिंदगी भर आपके काम आती है।

25 मार्च को सिटी चीफ कार्यालय में अवकाश रहेगा अगला अंक 26 मार्च को प्रकाशित होगा। सभी पाठकों को होली की शुभकामनाएं।

होली पर 9 राज्यों में गर्मी दिखाएगी अपने रंग

क्लाइमेट चेंज की वजह से 40 डिग्री को पार करेगा तापमान

नई दिल्ली। होली पर इस बार भीषण गर्मी सहने के लिए तैयार हो जाइए। देश के 9 राज्यों में होली के त्योहार वाले दिन तापमान 40 डिग्री से अधिक रहने की संभावना है। 25 मार्च को पड़ रही होली से पहले क्लाइमेट सेंट्रल ने बढ़ते तापमान पर यह रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, रंगों का त्योहार होली मार्च के अंत में मनाया जा रहा है। रिपोर्ट में इस तरह की गर्मी की वजह क्लाइमेट चेंज को बताया जा रहा है। शोधकताओं ने इस आकलन के लिए मार्च और अप्रैल (होली वाले महीनों) पर फोकस किया है। अध्ययन में पाया गया कि लगभग पूरे देश में तापमान हाल के दशकों में बढ़ रहा है। दिल्लीवालों के मन में भी सवाल होगा कि होली वाले दिन मौसम कैसा रहने वाला है? क्या गर्मी परेशान करेगी या राहत होगी। मौसम विभाग की मानें तो 23 मार्च को न्यूनतम तापमान 18 तो अधिकतम तापमान 34 डिग्री तक जा सकता है। इस दौरान आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे और 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। होलिका दहन के दिन, भी कमोबेश ऐसा ही मौसम रहेगा। होली वाले दिन आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 35 तो वहीं

न्यूनतम तापमान 18 डिग्री तक जा सकता है। 26 मार्च से 28 मार्च तक न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी और यह 21 डिग्री तक जा सकता है। वहीं अधिकतम तापमान 36 डिग्री पर रहेगा।

दिल्ली से सटे बाकी राज्यों का हाल

हिमालयी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की बात करें तो होली तक मौसम सामान्य रहेगा। पंजाब और हरियाणा में भी सामान्य मौसम रहने की संभावना है। पश्चिमी और पूर्वी यूपी, पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान में भी मौसम में 26 मार्च तक कोई खास बदलाव नहीं होने वाला है।

देश के इन राज्यों में होली पर गर्मी दिखाएगी रंग

क्लाइमेट सेंट्रल के साइंस डिपार्टमेंट के वाइस प्रेजिडेंट डॉ. एंड्रयू पर्शिंग के अनुसार, तापमान में काफी तेजी से बदलाव आ रहा है। ठंड के मौसम से तापमान में इस तरह की बढ़ोतरी चिंताजनक है। फरवरी के बाद देश के अधिकांश हिस्सों में मार्च में भी काफी गर्मी रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 1970 के दशक में सिर्फ कुछ ही राज्यों पर होली के दौरान तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने की संभावना थी। अब महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश सहित 9 राज्य इस संभावना से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ का बिलासपुर सबसे अधिक तेजी से गर्म हो रहा है। यहां पर होली पर तापमान के 40 डिग्री से उपर रहने की 31 प्रतिशत संभावना है। बिलासपुर के बाद इंदौर, भोपाल और मदुरै भी काफी तेजी से गर्म हो रहे हैं।

केजरीवाल ने जेल से पहला सरकारी आदेश जारी किया

जल मंत्री आतिशी से कहा- जहां पानी की कमी, वहां टैंकरों का इंतजाम करें

दिल्ली शराब नीति केस में 21 मार्च को गिरफ्तार हुए दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार (24 मार्च) को जेल से पहला आदेश जारी किया। उन्होंने जल मंत्री आतिशी को निर्देश दिया कि दिल्ली के लोगों को गर्मियों में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नोट में लिखा कि जहां पानी की कमी है, वहां टैंकरों का इंतजाम करें। केजरीवाल ने 22 मार्च को कोर्ट में पेशी के समय कहा था कि वे सीएम पद से इस्तीफा नहीं देंगे। जरूरत पड़ी तो जेल से सरकार चलाएंगे। इसके जवाब में भाजपा नेता मनोज तिवारी ने कहा था कि जेल से सरकारें नहीं चलती हैं, बल्कि गैंग ऑपरेट होते हैं। शनिवार शाम को केजरीवाल के वकील ने श्वष्ठ की गिरफ्तारी और निचली अदालत के रिमांड के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। वकीलों ने कहा कि दोनों फैसले

अवैध हैं। केजरीवाल रिहाई के हकदार हैं। हमने कोर्ट से 24 मार्च तक सुनवाई की मांग की है। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड के मामले पर अर्जेंट सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि होली की छुट्टी है। बुधवार (27 मार्च) को कोर्ट खुलने पर ही केस की सुनवाई होगी। मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अरविंद केजरीवाल जेल में भी दिल्ली के लोगों के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने कल (शनिवार) शाम मुझे बतौर जल मंत्री कुछ निर्देश भेजे हैं, ताकि दिल्ली के लोगों को गर्मियों के दौरान पानी संबंधी कोई परेशानी न हो। आतिशी ने कहा कि केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर सकती है, लेकिन जो अरविंद केजरीवाल का दिल्लीवालों के लिए प्यार है और जो उनका जिम्मेदारी का भाव है, उसे कैद नहीं कर सकती है।

सरमा बोले- केजरीवाल ने खुद अपनी गिरफ्तारी को निमंत्रण दिया

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने श्वष्ठ के समन का जवाब न देकर अपनी गिरफ्तारी को निमंत्रण दिया। ये राजनीतिक हमदर्दी जुटाने की उनकी साजिश हो सकती है। जब कोई इंसान लगातार 9 समन की उपेक्षा करेगा तो यह सीधे तौर पर अरेस्ट को निमंत्रण दे रहा है। अगर केजरीवाल ने शुरुआती समन का जवाब दिया होता तो शायद उनकी गिरफ्तारी न होती।

पन्ना जिले में मिला देश का सबसे पुराना शिवलिंग

चौमुखनाथ मंदिर में मिले गुप्तकालीन मंदिर के अवशेष

पन्ना। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पन्ना जिले के नचना कुठारा गांव में स्थित चौमुखनाथ मंदिर परिसर में टीलों की खुदाई में देश के सबसे प्राचीन मंदिर के अवशेष व शिवलिंग मिला है। कहा जा रहा है कि यह मंदिर मठ से निर्मित किए गए होंगे, जो पहली से पांचवी सदी के बीच के हो सकते हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की टीम को यहां और भी प्राचीन मंदिर व प्रतिमाएं मिलने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने पन्ना जिले के नचना कुठारा गांव में स्थित पांचवी सदी के प्राचीन मंदिर चौमुखनाथ मंदिर परिसर में आठ टीलों को चिन्हित किया था। इनमें प्राचीन मंदिर व प्रतिमाओं के मिलने की संभावना को देखते हुए चार मार्च से खुदाई का काम शुरू किया था। 15 दिन से दो टीलों की खुदाई हुई है। इसमे शिव मंदिर के अवशेष व एक शिवलिंग मिला है। पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों का दावा है कि यहां पार्वती मंदिर गुप्तकालीन है। पांचवी सदी से

वह जस का तस खड़ा है। खुदाई में मिला शिवलिंग व मंदिर के अवशेष देश के सबसे प्राचीन यानि पहली से पांचवीं सदी के बीच के हो सकते हैं।

फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतिबंधित- एएसआई विभाग के कर्मचारियों की मौजूदगी में खुदाई जारी है। किसी भी प्रकार से शासकीय संपत्ति को हानि न हो उसके लिए एएसआई सतर्कता बरत रहा है। औजारों से बारीकी से काम किया जा रहा है। खुदाई के दौरान चिह्नित टीलों में धागे का सर्किल बनाया गया है। यहां फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी प्रतिबंधित है। यह कार्य मुख्य रूप जबलपुर पुरातत्व वभाग की टीम काम कर रही है। नचना ग्राम पुरातत्व विभाग की दृष्टि से महत्वपूर्ण ग्राम है। यहां का पार्वती मंदिर भारत के सबसे प्राचीनतम मंदिरों में से एक है। यह करीब 1600 वर्ष पुराना पांचवीं सदी का मंदिर है। उसके बाद करीब सातवीं सदी का चौमुखनाथ मंदिर है, जहां भगवान शिव की चौमुखी प्रतिमा विराजित है।

कलेक्टर ने की पुष्टि- पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा कि नचना ग्राम स्थित चौमुखनाथ मंदिर में एएसआई खुदाई करवा रहा है। एएसआई के अधिकारियों से मेरी चर्चा हुई है। दूसरी से पांचवी सदी के मंदिर व अवशेष मिलने की संभावना जताई गई है। किसी उद्देश्य में एएसआई द्वारा वहां खुदाई का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने हमसे सहयोग मांगा था। इसे लेकर हमने गुनौर एसडीएम को नोडल अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया है। उम्मीद है कि एएसआई की टीम को वहां प्राचीन मंदिर या स्मारक मिलेंगे।

झाबुआ के रानापुर गेर में हुए शामिल, देश और प्रदेश वासियों को दिया भगोरिया में शामिल होने का निमंत्रण

भगोरिया महोत्सव में सीएम ने बजाई थाली और ढोल

झाबुआ। मुख्यमंत्री मोहन यादव झाबुआ में भगोरिया महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान ढोल-मांदल पर लोग थिरके। झाबुआ के रानापुर गेर में शामिल सीएम ढोल और थाली बजाई। शनिवार को रानापुर में गेर निकली। नगर में शनिवार को लगने वाला भगोरिया अंतिम दिनों का होने से जन सैलाब उमड़ा है। रानापुर तहसील के 96 के अलावा लगभग 125, गांवों के ग्रामीण जन इस भगोरिया मेले में शामिल हो रहे हैं। मेला स्थल पर झुले चकरी लगाए गए हैं। भगोरिया मेले में छोटी बड़ी लगभग डेढ़ हजार से अधिक विभिन्न तरह की सामानों की दुकानें संचालित हो रही हैं। यहां का भगोरिया मेला

सर्वश्रेष्ठ भगोरिया मेले की गिनती में गिना जाता है। मेले में भजिये, जलेबी, मिठाई, गुल्फी, पान बीड़ा, खिलोने, सब्जी, जुते चप्पल, सौंदर्य प्रसाधन, फल, कपड़े की दुकानें मेले की ओर आकर्षित करती है। इससे पहले सीएम ने सभी को भगोरिया पर्व की हार्दिक बधाई दी। सीएम ने एक्स पर लिखा कि मैं आज और कल स्वयं जनजातीय अंचल झाबुआ, धार, खरगोन, बड़वानी क्षेत्र में भगोरिया महोत्सव सहित अन्य कार्यक्रमों में उपस्थित रहूंगा। मैं प्रदेश एवं देशवासियों को निमंत्रण भी दे रहा हूँ कि आप आइये और भगोरिया का आनंद लीजिये।

इस बार होली पर चंद्र ग्रहण, लेकिन भारत में नहीं दिखने के कारण इसका महत्व नहीं

आज 9 बड़े शुभ योग में जलेगी होली, कल खेलेंगे रंग-गुलाल

इंदौर। इस बार पूर्णिमा दो दिन की रहेगी, लेकिन होलिका दहन 24 मार्च को होगा, जबकि 25 को होली खेली जाएगी। ज्योतिषियों के मुताबिक इस साल होलिका दहन पर भद्रा का अशुभ काल रात करीब 10:50 बजे तक रहेगा। 24 मार्च को सुबह करीब साढ़े 9 बजे तक चतुर्दशी रहेगी। फिर पूर्णिमा शुरू हो जाएगी जो कि 25 मार्च को दोपहर 12:30 बजे तक रहेगी। पूर्णिमा दो दिन तक होने से असमंजस है।

इस बार होली पर चंद्र ग्रहण भी है, लेकिन भारत में नहीं दिखने के कारण इसका महत्व नहीं रहेगा। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 24 की शाम को पूर्णिमा होने से इसी तारीख को भद्रा खत्म होने के बाद होलिका दहन करना चाहिए। वहीं, 25 मार्च को सूर्योदय के वक्त पूर्णिमा तिथि होने पर इस दिन स्नान-दान और व्रत-पूजा करना चाहिए।

इस बार होलिका दहन के वक्त सितारे बेहद खास रहेंगे। जिससे 9 बड़े शुभ योग बनेंगे। बनारस, उज्जैन और पुरी के ज्योतिषियों का कहना है कि ऐसा शुभ संयोग पिछले 700 सालों में नहीं दिखा। होलिका दहन के वक्त सर्वार्थसिद्धि, लक्ष्मी, पर्वत, केदार, वरिष्ठ, अमला, उभयचरी, सरल और शश महापुरुष योग बन रहे हैं। इन योग में होली जलने से परेशानियां और रोग दूर होंगे। ये शुभ योग समृद्धि और सफलतादायक रहेंगे।

देश के लिए आर्थिक तरक्की, राजनीति में उथल-पुथल होलिका दहन के सितारों को देखते हुए ज्योतिषियों का कहना है कि ये होली देश के लिए आर्थिक और भौतिक उन्नति लेकर आ रही है। देश में विकास योजनाओं पर तेजी से काम होने की संभावना है। इंडस्ट्रियल सेक्टर और स्टार्टअप्स तेजी से बढ़ेंगे। ज्योतिषियों के मुताबिक ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में भी बड़ी डील होने के आसार हैं। हालांकि, कई धार्मिक मामलों में विवाद और विरोध होने की आशंका है। राजनीति से जुड़े बड़े बदलाव होंगे। राजनेताओं में विवाद और टकराव बढ़ेंगे। देश में बीमारियां भी बढ़ सकती हैं।

होलिका दहन से निकली लौ बताएगी कैसा बीतेगा साल

होलिका दहन की आग से उठने वाली लौ की दिशा से तय होता है कि साल के आगामी दिनों का भविष्य कैसा होगा। यह विज्ञान नहीं, ज्योतिषियों का मत है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. गिरिजाशंकर शास्त्री का कहना है कि होलिका दहन के समय अग्नि की लौ या धुआं देखकर भविष्य का अनुमान लगाते हैं।

सिंगल कॉलम

शिप्रा नदी में डूब रहे थे दो बालक, एसडीआरएफ जवानों ने बचाई जान

उज्जैन। रामघाट पर स्थित पुलिस चौकी के सामने शनिवार दोपहर दो बालक शिप्रा नदी में डूब रहे थे। इन्हें एसडीआरएफ के जवानों ने तत्काल नदी में छलांग लगाकर बालकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिला सेनानी होमगार्ड संतोष जाट ने बताया कि शनिवार को इंदौर के भागीरथपुरा निवासी अनमोल पुत्र आशीषसिंह उम्र 12 वर्ष व आदित्य पुत्र पवनसिंह उम्र 16 वर्ष अपने स्वजन के साथ उज्जैन दर्शन के लिए आए थे। ये लोग यहां रामघाट पर पुलिस चौकी के सामने शिप्रा नदी में स्नान कर रहे थे। उसी दौरान दोनों बालक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। शोर सुनकर घाट पर तैनात एसडीआरएफ जवान रोहित मालवीय ,उपेंद्र भदोरिया एवं अनूप यादव ने तत्काल नदी में छलांग लगाई एवं लाइफ बाय की मदद से दोनों बालकों को सुरक्षित बचा लिया। बता दें कि एसडीआरएफ जवानों ने शिवरात्रि पर भी पांच नागरिकों को नदी से सुरक्षित बचाया था। जवानों के उल्लेखनीय कार्य के लिए जिला सेनानी होमगार्ड संतोष जाट ने उन्हें पुरस्कृत करने की बात कही है।

महाकाल भस्मारती में फूलों की बारिश के साथ हुई होली की शुरुआत

उज्जैन। भगवान महाकाल मंदिर में फूलों की बारिश के साथ होली की शुरुआत हुई। बड़ी संख्या में मौजूद भक्तों पर भस्मारती के दौरान फूलों की बारिश की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे। रविवार तड़के भस्म आरती के लिए महाकाल मंदिर के पट खुलने के बाद भगवान महाकाल की विधि विधान से पूजाअर्चना और अभिषेक किया गया। भस्मआरती के दौरान विविध पुष्पों की बौछार कर भगवान महाकाल के साथ होली की शुरुआत की गई। मंदिर में आए बड़ी संख्या में भक्तों पर पंडों और पुजारियों ने पुष्पों की बारिश की। संध्या आरती के बाद होगा होलिका दहन आज महाकाल मंदिर में फाल्गुन पूर्णिमा के अवसर पर शाम 7.30 बजे संध्या आरती के बाद होलिका दहन किया जाएगा। सोमवार को धुलेंडी पर्व मनाया जाएगा। तड़के 4 बजे भस्म आरती में पुजारी, पुरोहित व भक्तों के साथ महाकाल मंदिर में हर्बल गुलाल से होली खेली जाएगी । इसके साथ ही 26 मार्च से गर्मी की शुरुआत मानते हुए भगवान महाकाल को ठंडे जल से स्नान कराने का क्रम आरं होगा। प्रतिदिन होने वाली पांच में से तीन आरती का समय भी बदल जाएगा। आज मंदिर परिसर मेंओंकारेश्वर मंदिर के सामने होली बनाई जाएगी। शाम को भगवान महाकाल की संध्या आरती के बाद पुजारी वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होलिका का पूजन करेंगे। पुजारी परिवार की महिलाओं के द्वारा भी होलिका का पूजन किया जाएगा। इसके बाद होलिका का दहन होगा। फाग उत्सव मनाया जाएगा। मंदिर की पूजन परंपरा में चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से गर्मी की शुरुआत मानी जाती है। प्रतिपदा 26 मार्च को है, इसलिए भगवान की दिनचर्या में बदलाव होगा। सर्दी के दिनों में भगवान को गर्म जल से स्नान कराया जा रहा था। अब चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से शरद पूर्णिमा तक अगले छह माह भगवान शीतल जल से स्नान करेंगे। इस अवधि में आरती का समय भी बदलेगा।

भाजपा के अनिल फिरोजिया के सामने मैदान में होंगे कांग्रेस के महेश परमार

उज्जैन-आलोट लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी। तराना विधायक महेश परमार कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे। नाम की घोषणा के साथ ही यह चुनाव रोचक हो गया है। उल्लेखनीय है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में तराना से दोनों प्रत्याशी (भाजपा से अनिल फिरोजिया और कांग्रेस से महेश परमार) आमने-सामने हो चुके हैं। तब महेश परमार ने फिरोजिया को हरा दिया था।यहीं से परमार का राजनीतिक कद बढ़ा था। इसके बाद 2022 में हुए नगर निगम चुनाव में महापौर प्रत्याशी के रूप में भी महेश परमार ने भाजपा को कड़ी चुनौती दी थी। कमल नाथ से लेकर जीतू पटवारी तक महेश गुड लिस्ट में रहे हैं। राहुल गांधी ने महेश पर भरोसा जताया है और फिर उन्हें लोकसभा में प्रत्याशी बनाया गया। उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र हैं। इन सभी पर दोनों ही प्रत्याशी (अनिल फिरोजिया-महेश परमार) अच्छी पकड़ रखते हैं। ऐसे में यह मुकाबला और रोचक हो गया है।

छह साल से शहर कांग्रेस में नहीं बनी कार्यकारिणी, प्रकोष्ठों के भरोसे चुनावी रण

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में उम्मीदवार घोषणा में ही कांग्रेस की सुस्ती नजर नहीं आई, बल्कि संगठन खड़ा करने के मामले में भी यही हाल है। शहर कांग्रेस में लगभग छह साल से कार्यकारिणी नहीं बन सकी है। लोकसभा चुनाव में भी जमीनी काम के लिए उम्मीदवार खुद की टीम और शहर कांग्रेस मोर्चा-प्रकोष्ठों के भरोसे रहेगी। शहर कांग्रेस के बीते दौर के अध्यक्ष शहर में टीम बनाने से बचते रहे। मौजूदा अध्यक्ष टीम बनाने के तैयार हैं, लेकिन उन्हें नए प्रदेश अध्यक्ष की गाइडलाइन का इंतजार है। इंदौर शहर कांग्रेस की कार्यकारिणी प्रमोद टंडन के शहर अध्यक्ष रहते बनी थी। उन्होंने 2018 में नई कार्यकारिणी गठित की थी। इसके बाद विनय बाकलीवाल शहर अध्यक्ष बने। कांग्रेस सत्ता में भी आई। हालांकि बाकलीवाल कार्यकारिणी घोषित नहीं कर सके। उनके दौर में लगभग पांच साल बिना टीम के शहर

कांग्रेस का चलती रही। तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के भी बाकलीवाल करीबी रहे। उस दौरान सत्ता भी मिली और उपचुनावों में मुकाबला भी हुआ। इसके बावजूद बाकलीवाल इंदौर की टीम नहीं बना सके। लगभग आठ महीने पहले सुरजीतसिंह चड्ढा को शहर कांग्रेस की कमान सौंपी गई। साथ में कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाए गए। बीते महीनों ने कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए विशाल (गोलू) अग्निहोत्री तो गांधी भवन से दूर ही नजर आ रहे हैं। चड्ढा ने आने के ठीक बाद विधानसभा चुनावों का सामना किया। चुनाव के बाद अप्रत्याशित हार और फिर प्रदेश अध्यक्ष बदलने से जूझे। इसके बाद दलबदल का झटका लगा। नई कार्यकारिणी बनाने के पहले प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष जीतू पटवारी ने घोषणा कर दी कि कार्यकारिणी का आकार सीमित किया जाएगा। अब शहर कांग्रेस को इंतजार है कि प्रदेश से कार्यकारिणी की खाका और प्रारूप स्पष्ट हो तो टीम बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। हालांकि इससे पहले लोकसभा चुनाव का मौसम आ चुका है।

मोर्चा और प्रकोष्ठ हैं

शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा कह रहे हैं कि यह कहना गलत है कि संगठन नहीं है। संगठन तो है। हमारे 25-26 मोर्चा और प्रकोष्ठ हैं। महिला कांग्रेस है। सेवादल, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई भी है। ऐसे में संगठन मजबूत है। चुनाव में हर वार्ड स्तर पर कार्यकर्ता और काम करने वाले जिम्मेदार मौजूद है। जहां तक शहर की कार्यकारिणी गठन का सवाल है तो नए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। वे कार्यकारिणी में पदाधिकारियों की संख्या तय कर दें व हमें निर्देश मिल जाए तो हम बना देंगे।

संगठन को खड़ा करने की कोशिश

बीते दिनों पूर्व विधायक संजय शुक्ला और देपालपुर से विधायक रहे विशाल पटेल के कांग्रेस छोड़ने के बाद कांग्रेस ने अपने स्तर पर दोनों विधानसभाओं में संगठन को खड़ा करने की कोशिश शुरू कर दी है। विधानसभा क्षेत्र एक में दीपू यादव को प्रभारी बना दिया गया है। देपालपुर में इंदौर दुग्ध संघ के अध्यक्ष मोती सिंह पटेल को विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त कर दिया गया है।

हनीट्रैप कांड में एक महीन में पूरक चालान पेश करने का आरोपितों का आवेदन खारिज

सिटी चीफ इंदौर

बहुचर्चित हनीट्रैप कांड में आरोपितों का आवेदन जिला एवं सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि हनीट्रैप कांड के आरोपितों ने धारा 173 में आवेदन पेश कर जिला एवं सत्र न्यायालय से मांग की थी कि विशेष जांच दल (एसआइटी) को कोर्ट निर्देश दे कि एक महीने में पूरक चालान प्रस्तुत करें। जितने भी आरोपितों को पकड़ा जाना है उन्हें गिरफ्तार करें। एसआइटी के वकील ने बहस के दौरान ली आपत्ति बताया जाता है कि बहस के दौरान एसआइटी के वकील ने इस पर आपत्ति ली। जिला एवं सत्र न्यायालय ने आवेदन खारिज करते हुए पूरक चालान पेश करने की समयसीमा निर्धारित करने से इनकार कर दिया। पहले भी खारिज किया जा चुका है आवेदन उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी आरोपितों ने जांच जल्द पूरी नहीं करने का आवेदन दाखिल किया था। पूर्व में उसे कोर्ट की ओर से खारिज किया जा चुका है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 22 अप्रैल को होगी।

इंदौर में निभाएंगे 295 साल से चली आ रही परंपरा, सबसे पहले जलेगी राजवाड़ा चौक पर सरकारी होली

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। फाल्गुन पूर्णिमा पर भद्रा के साये के बीच रविवार को इंदौर में जगह-जगह होलिका दहन होगा। सबसे पहले 295 साल से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए सरकारी होली का दहन राजवाड़ा पर होगा। स्वच्छता में नंबर वन शहर पर्यावरण संरक्षण की भावना से होलिका दहन में गाय के गोबर के कंडों का उपयोग करेगा। दहन के साथ रंग उड़ाती मतवालों की टोली शहर के अलग-अलग हिस्सों से निकलेगी। कहीं से फाग यात्रा तो कहीं से राधा-कृष्ण का बाना निकलेगा। सोमवार को धुलेंडी पर रंग भरी होली खेली जाएगी। ज्योतिर्विद कान्हा जोशी के अनुसार, पूर्णिमा 24 मार्च को सुबह 9.56 से शुरू होकर रात 12.30 बजे तक होगी। इसके साथ भद्रा शुरू होकर रात 11.14 बजे तक रहेगी। प्रदोषकाल में होलिका दहन शाम 6.34 से रात 7.53 बजे तक भद्रा के पुच्छ में करना शास्त्र सम्मत बताया जा रहा है। राजपरिवार के पुजारी लीलाधर वारकर गुरुजी के अनुसार राजवाड़ा पर होली शाम 7 बजे जलाई जाएगी। सरकारी होली की अग्नि को लोग अपनी होली जलाने के लिए लेकर जाएंगे। पंचदेव मंदिर एमआइजी कालोनी एवं रहवासी समिति सेक्टर में फाग उत्सव मनाया गया। इसमें पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। यहां गाय के गोबर के कंडों से होली जलाई जाएगी। अग्रवाल युवा संगठन द्वारा होलिका दहन के लिए गाय के गोबर के कंडे जलाए जा रहे हैं। रजत गर्ग ने बताया इसमें किष्किंधा धाम गोशाला के सहयोग से रविवार को भी वितरण किया जाएगा। फाग उत्सव और भजन संध्या का आयोजन राजस्व ग्राम कालोनी साईं मंदिर मेन रोड छत्रीबाग में शाम 7 बजे होगा। इसमें वनखंडी हनुमान मंदिर भजनी मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। राधाकृष्ण रंगारंग बाना शाम 6.30 बजे मल्हारगंज से निकलेगा। संयोजक जयदीप जैन ने बताया कि इसमें भगवान राम-सीता-लक्ष्मण की चलित झांकी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व योगी आदित्यनाथ को होली खेलते दिखाया जाएगा। संस्था माहेश्वरी कुटुंब द्वारा फाग यात्रा मुकुट मांगलिक भवन गुमाश्ता नगर से निकाली जाएगी। 7 बजे भजन संध्या के साथ भोजन प्रसादी का आयोजन होगा। रंगारंग फाग महोत्सव में होंगे कई आकर्षण श्री अग्रसेन महासभा का होली मिलन एवं रंगारंग फाग महोत्सव 25 मार्च को शाम 5 बजे से एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री गार्डन पर 'रंग दे बालीवुड' थीम पर आयोजित होगा। अध्यक्ष जगदीश बाबाश्री एवं सचिव अखिलेश गोयल ने बताया कि फाग महोत्सव में देश-विदेश के अनेक कलाकार बुलाए गए हैं, जो अपनी कला एवं हुनर का प्रदर्शन कर होली के रंग को नए आयाम देंगे। इस मौके पर सबसे पहले सभी अतिथियों का स्वागत केशरिया टीका और सुगंधित इत्र लगाकर किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश केवल आमंत्रितों के लिए होगा।

मल्हारगंज से निकलेगा राधाकृष्ण रंगारंग बाना, छत्रीबाग में मनाया जाएगा फाग उत्सव

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 24 मार्च को होंगे। फाल्गुनी पूर्णिमा के अवसर पर राजवाड़ा सहित शहरभर में होलिका दहन किया जाएगा। इसके साथ ही इसमें पंचकल्याणक महोत्सव के साथ फाग उत्सव के आयोजन भी होंगे। इसके अलावा भागवत कथा के आयोजन भी होंगे। जय गुरुदेव आश्रम में आयोजित दो दिनी मुक्ति दिवस कार्यक्रम का समापन होगा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा छत्रपति नगर स्थित दलालबाग में 19 से 25 मार्च तक मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक एवं जिनबिम्ब प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव मुनि विमल सागर एवं अनन्त सागर महाराज के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य विनय भैय्या, अनिल भैय्या, अमित जैन (वास्तुविद) के निर्देशन में हो रहा है। इसमें सुबह 9 बजे से तप कल्याणक विधान होगा। मुक्ति दिवस कार्यक्रम तेजाजी नगर स्थित ग्राम मिर्जापुर जयगुरुदेव आश्रम पर मनाया जाएगा। सुबह 11 बजे से अनुयायियों द्वारा दर्शन, पूजन, ध्यान, सुमिरन व प्रवचन किए

जाएंगे। दोपहर 1 बजे से महाप्रसादी होगी। सात दिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन विजय नगर मंगल सिटी स्थित शिव शक्ति मंदिर पर दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसमें कथा वाचक पं. नारायण शास्त्री के मुखारविंद से कथा होगी। इसमें प्रतिदिन प्रसंग अनुसार उत्सव मनाया जाएगा। कथा का आयोजन 23 मार्च तक होगा। राधाकृष्ण रंगारंग बाना शाम 6.30 बजे मल्हारगंज से निकलेगा। संयोजक जयदीप जैन ने बताया कि इसमें भागवान राम-सीता-लक्ष्मण की चलित झांकी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व योगी आदित्यनाथ को होली खेलते दिखाया जाएगा फाल्गुनी पूर्णिमा पर होलकरकालीन होली राजवाड़ा पर शाम 7 बजे दहन की जाएगी। दहन 1100 कंडों से होगा। इस अवसर पर होलिका पूजन किया जाएगा। फाग उत्सव और भजन संध्या का आयोजन राजस्व ग्राम कालोनी साईं मंदिर मेन रोड छत्रीबाग पर शाम 7 बजे होगा। इसमें वनखंडी हनुमान मंदिर भजनी मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। संस्था माहेश्वरी कुटुंब द्वारा फाग यात्रा मुकुट मांगलिक भवन गुमाश्ता नगर से निकाली जाएगी। शाम 7 बजे भजन संध्या के साथ भोजन प्रसादी का आयोजन होगा।

छह महीने पिछड़ी बीए बीएड सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा, छह अप्रैल से होंगे पेपर

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में परीक्षा से जुड़ी व्यवस्था गड़बड़ा गई है। रिजल्ट में देरी के चलते बीए बीएड की परीक्षाएं छह महीने पिछड़ चुकी है। अक्टूबर में होने वाली परीक्षा अब अप्रैल में करवाई जाएगी। 6 अप्रैल से पेपर रखे गए हैं। इसके लिए बीते दिनों विद्यार्थियों से परीक्षा के लिए आवेदन भरवाए गए हैं। कालेजों को आंतरिक परीक्षाएं भी 30 मार्च तक खत्म करने को कहा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, अब कालेजों को छात्र-छात्राओं के आंतरिक परीक्षा के अंक भेजना है। बीए बीएड फर्स्ट सेमेस्टर का रिजल्ट नवंबर में जारी हुआ। फेल विद्यार्थियों ने रिव्यू के लिए आवेदन किया। इन विद्यार्थियों की कापियां जांचने के लिए प्रदेश के बाहर भेजी गई। वहां से फरवरी में

छात्र-छात्राओं के अंक आए। फरवरी अंतिम सप्ताह में रिव्यू का परिणाम दिया गया। इसके बाद कालेजों को आंतरिक परीक्षा करवाने के निर्देश दिए, जिसमें नियमित व भूतपूर्व विद्यार्थियों को शामिल करने पर जोर दिया। 30 मार्च तक परीक्षा करवाने के साथ ही कालेजों को विद्यार्थियों के अंक भेजना है। 15 मार्च को विश्वविद्यालय ने बीए बीएड का परीक्षा शेड्यूल जारी किया है। छह से 24 अप्रैल तक परीक्षा होगी। सुबह 11 से दोपहर 2 बजे के बीच पेपर रखे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बीए बीएड की सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा में दो हजार विद्यार्थी सम्मिलित होंगे।

इंदौर सीट पर चुनावी दृश्य साफ

कांग्रेस के अक्षयकांति देंगे भाजपा के शंकर लालवानी को चुनौती

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर लोकसभा सीट पर चुनाव के मुकाबले की स्थिति साफ हो गई है। कांग्रेस ने शिक्षाविद् के तौर पर पहचाने जाने वाले अक्षयकांति बम को उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवार का यह किसी भी तरह का पहला चुनावी मुकाबला होगा। लॉ और मैनेजमेंट कालेज संचालित करने वाले बम ने विधानसभा चुनाव में टिकट के लिए दावेदारी की थी। विधानसभा चुनाव में तो टिकट नहीं दिया लेकिन अब पार्टी ने उन्हें अब लोकसभा में उम्मीदवार बनाया है। भाजपा पहले ही सांसद शंकर लालवानी पर अपना भरोसा जताकर उन्हें उम्मीदवार बना चुकी है।जैन समाज में सक्रिय अक्षयकांति बम को लेकर कांग्रेस दावा कर रही है कि वे लोकसभा क्षेत्र से अब तक के सबसे उच्च शिक्षित और युवा उम्मीदवार हैं। 45 वर्ष के अक्षय ने

डेली कॉलेज से स्कूली शिक्षा पूरी की। पीएचडी की उपाधि लेने से पहले वे एमबीए, एलएलबी और बीकाम ऑनर्स भी कर चुके हैं। करीब दस वर्षों से वे कांग्रेस में सक्रिय हैं। बीते वर्षों में वे बड़नगर विधानसभा क्षेत्र से सक्रिय रहे और 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले वहीं काम कर रहे थे। बीते विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने बड़नगर छोड़ इंदौर से दावेदारी की। दिग्विजयसिंह के करीबी माने जाने वाले अक्षयकांति बम का इंदौर के क्षेत्र चार से टिकट तय भी माना जा रहा था। हालांकि सामाजिक समीकरणों के चलते ऐनवक्त पर कांग्रेस ने राजा मंधवानी को चार नंबर से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। अब अक्षयकांति बम इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस का चेहरा बनकर मैदान में हैं। पार्टी का घोषणापत्र और इंदौर का भी बनेगा अक्षय बम ने उम्मीदवारी घोषित होने के बाद कहा- राजनीति मेरा पेशा नहीं सेवा का माध्यम है। सेवा के इसी लक्ष्य को लेकर इंदौर लोकसभा से नागरिकों का समर्थन मांग रहा हूं। कांग्रेस का घोषणापत्र जारी हो चुका युवाओं को नौकरी-रोजगार से लेकर हर वर्ग को न्याय दिलाना पार्टी की प्राथमिकता है। जल्द ही इंदौर लोकसभा क्षेत्र के विकास का खाका खींचता घोषणा पत्र और विजन डाक्यूमेंट भी जारी किया जाएगा।

मध्य प्रदेश की सियासत पर नारों का गहरा असर, फिलहाल भाजपा में भी सन्नाटा

सिटी चीफ भोपाल।

सत्ता परिवर्तन का माद्दा रखने वाले चुनावी नारे मध्य प्रदेश की सियासत की अलग ही पहचान बनाते हैं। कई नारों ने तो देशभर को आकर्षित भी किया है, लेकिन लोकसभा चुनाव में अब तक ऐसा कोई नारा सामने नहीं आया है, जिससे चुनाव का माहौल गरमा सके। भाजपा के लिए केंद्रीय नेतृत्व का नारा अब की बार 400 पार% के साथ %एक बार फिर मोदी सरकार% ही है, जबकि कांग्रेस के हाथ अभी खाली हैं। सियासत पर नारों के प्रभाव में सबसे प्रभावशाली माना जाता है भाजपा द्वारा दिग्विजय सिंह के लिए गढ़ा गया %मिस्टर बंटाधार% का टैग, जिसने साल 2003 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। यह आज भी कितना प्रभावशाली है, इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि मध्य प्रदेश में कोई भी चुनाव हो भाजपा इसे पुरजोर तरीके से उछालती है। इसके बाद चार बार

तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान ने अपने लिए मामा का टैग इस कदर मजबूत कर लिया कि उन्हें पूरे भारत में बहनों के भाई और बच्चों के मामा के रूप में जाना जाता है। 2013 के विधानसभा में भाजपा की तरफ से 'अबकी बार, शिवराज सरकार' का नारा दिया गया, जो कांग्रेस की सत्ता वापसी की उम्मीद पर भारी पड़ा और एक बार फिर शिवराज सिंह चौहान ने पुलिस की कमान संभाली। 2018 के चुनाव आने तक कांग्रेस भी नारों की ताकत का एहसास कर चुकी थी। ऐसे में कमल नाथ के नेतृत्व में कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में नारा दिया 'वक्त है बदलाव का' तो दूसरी ओर भाजपा की तरफ से 'समृद्ध मध्य प्रदेश' और 'अबकी बार 200 पार' का नारा दिया गया, लेकिन बदलाव का नारा सफल हुआ, जिससे कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की। इस चुनाव में कांग्रेस ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को युवा चेहरे के रूप में जब सामने किया तो भाजपा ने अपना युवा वोट बैंक बचाने के लिए नारा दिया था 'माफ करो महाराज हमारा नेता तो शिवराज ।दिलचस्प बात है कि बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थकों के साथ भाजपा में आ गए और भाजपा ने इस नारे को हमेशा के लिए भुला दिया। बीते विधानसभा चुनाव में भाजपा ने %एमपी के मन में मोदी, मोदी के मन में एमपी% का नारा देकर बड़ी जीत हासिल की। हालांकि कमलनाथ ने कांग्रेस सरकार की वापसी की उम्मीद में %कांग्रेस आएगी, खुशहाली लाएगी% का नारा दिया, लेकिन वह सफल नहीं हो सका, कांग्रेस की सीटें भी काफी कम हो गईं। लोकसभा चुनाव में फिलहाल मध्य प्रदेश से कोई नारा सामने नहीं आ सका है। भाजपा जो नारे गढ़ने में आगे रही है, वह भी केंद्रीय नेतृत्व के अबकी बार 400 पार, एक बार फिर मोदी सरकार को ही लेकर आगे बढ़ रही है।

शहर को स्वच्छ बनाने गली-मोहल्लों में घूमे निगमायुक्त हरेंद्र नारायण

सिटी चीफ भोपाल।

शहर को स्वच्छ बनाने के लिए नवागत नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण जमीनी स्तर पर नजर रख रहे हैं। वह शनिवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों के गली -मोहल्लों में घूमे और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ जगह पर संतोष व्यक्त किया तो कुछ स्थानों पर गंदगी देख नाराजगी व्यक्त की। निगमायुक्त ने सफाई कार्यों की त्रुटियों को दूर करने के लिए अधिकारियों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त यागेन्द्र पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थेनगर निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण द्वारा शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने एवं सफाई कार्य की त्रुटियों व व्यवहारिक कठिनाईयों को दूर करने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों की गलियों, मोहल्लों व मार्गों पर साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने चौक क्षेत्र सहित पुराने शहर की अनेक सड़कों, गलियों की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष भी व्यक्त किया, वहीं अनेक क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार लाने, कचरा, गंदगी उठवाने, तालाबों की

साफ-सफाई व पार्कों का बेहतर रखरखाव करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को उच्चस्तरीय बनाने के लिए सफाई कार्यों की त्रुटियों व उन्हें दूर करने की कार्ययोजना वीडियो सहित पीपीटी के माध्यम से तैयार कर मंगलवार को प्रस्तुत करें। निगमायुक्त द्वारा आगामी सप्ताह से रहवासी व व्यवसायिक क्षेत्रों के आंतरिक मार्गों, गलियों आदि में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया जाएगा। गंदगी करने वालों पर लगाएं जुर्माना निगमायुक्त ने कमला पार्क के सामने स्थित आइटीसी पार्क की साफ-सफाई कराने और पार्क के डस्टबिनों से कचरा निकलवाने, पार्क का बेहतर ढंग से रखरखाव करने, इकबाल मैदान की बेहतर ढंग से साफ-सफाई कराने, सदर मंजिल के सामने वाले क्षेत्र से कचरा, गंदगी साफ कराने, हमीदिया अस्पताल क्षेत्र की सड़कों के किनारे पड़े कचरे व गंदगी को तत्काल साफ कराने के निर्देश दिए।इसके अलावा मोतिया तालाब, नबाव सिद्दीक हसन तालाब का निरीक्षण किया और झील संरक्षण प्रकोष्ठ के अमले के साथ समन्वय कर तालाबों एवं उसके आसपास के क्षेत्रों की सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही गंदगी करने वालों के के खिलाफ मौके पर ही जुर्माना की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

रातभर शहर में चप्पे-चप्पे पर घूमी पुलिस, उठाए 1014 बदमाश

सिटी चीफ भोपाल।

आगामी लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण, निर्भीक एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने हेतु पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी द्वारा शुक्रवार रात काम्बिंग गश्त की तैयारी की। इसके लिए कमिश्नर कार्यालय परिसर में सभी थानों का बल, रक्षित केंद्र का बल, कमिश्नर कार्यालय स्टाफ को जरूरी निर्देश देकर विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान सभी पुलिस उपायुक्त रियाज इकबाल, पुलिस उपायुक्त सुंदर सिंह कनेश, पुलिस उपायुक्त प्रियंका शुक्ला, पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी एवं समस्त अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी मौजूद रहे। गश्त के दौरान सभी डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी के नेतृत्व में थाना प्रभारी तथा उनकी टीम पूरी रात सक्रिय रही एवं आरोपितों/वारंटियो की धरपकड़ की गई। लगभग एक हजार अधिकारियों/कर्मचारियों की टीम की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पूरी रात्रि गश्त मानिटरिंग करते रहे एवं मार्गदर्शन देते रहे। छह घंटे तक चली गश्त रात 11 बजे से शनिवार सुबह पांच बजे तक केवल छह घंटे की गश्त में कुल 526 स्थाई वारंट एवं 346 गिरफ्तारी वारंट, 107 जमानतीय वारंट एवं 35 अन्य कार्रवाई समेत कुल 1014 बदमाशों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। साथ ही गुण्डा, बदमाश, हिस्ट्रीशीटर चेक किए गए एवं आबकारी एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई। भोपाल कमिश्नरेट में अब तक 13 बार की गई

काम्बिंग गश्त में कुल-7014 स्थाई/गिरफ्तारी/जमानतीय वारंटी किए जा चुके हैं गिरफ्तार। जोनवार इस तरह हुई कार्रवाई जोन-एक = 176 स्थाई, 76 गिरफ्तारी वारंट, 26 जमानतीय वारंट समेत कुल 278 तामील किए गए। जिसमें थाना शाहपुरा पुलिस सर्वाधिक द्वारा 35 स्थाई वारंट व 34 गिरफ्तारी वारंट समेत कुल 69 वारंट तामील कराए गए। जोन-दो = 110 स्थाई एवं 55 गिरफ्तारी वारंट, 44 जमानतीय वारंट समेत 209 वारंटी पर कार्रवाई की गयी। जिसमें थाना पिपलानी पुलिस द्वारा सर्वाधिक 33 स्थाई वारंट व आठ गिरफ्तारी वारंट समेत कुल 41 वारंट तामील कराए गए। जोन-तीन = 100 स्थाई एवं 126 गिरफ्तारी वारंट, आठ जमानतीय वारंट समेत 234 वारंटी पर कार्रवाई की गयी। जिसमें थाना हनुमानगंज द्वारा सर्वाधिक 23 स्थाई वारंट व 26 गिरफ्तारी वारंट समेत कुल 49 वारंट तामील कराए गए। जोन-चार = 144 स्थाई एवं 89 गिरफ्तारी वारंट, 29 जमानतीय वारंट समेत कुल 262 फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें थाना निशातपुरा द्वारा सर्वाधिक 52 स्थाई वारंट व 25 गिरफ्तारी वारंट समेत कुल 77 वारंट तामील कराए गए।

होली तक प्रदेश का मौसम रहेगा शुष्क, 26 मार्च से इन इलाकों में छा सकते हैं बादल

सिटी चीफ भोपाल।

वर्तमान में मध्य प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाली कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख भी दक्षिणी बना हुआ है। इस वजह से प्रदेश के सभी शहरों में तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। इसी क्रम में शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक 39 डिग्री सेल्सियस तापमान रतलाम में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलगे दो दिन में प्रदेश में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

वातावरण शुष्क

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर भारत के आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़ चुका है। वर्तमान में विदर्भ से लेकर केरल तक एक द्रोणिका बनी हुई है, लेकिन इसका मध्य प्रदेश

के मौसम पर विशेष असर नहीं पड़ रहा है। हवाओं के साथ नमी नहीं आने की वजह से वातावरण शुष्क बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर से नमी मिलने का सिलसिला थम जाने से पूरे प्रदेश में मौसम साफ हो गया है। हवाओं का रुख कभी दक्षिण-पूर्वी तो कभी पश्चिमी हो रहा है। इस वजह से तापमान लगातार बढ़ने लगा है। मौसम का इस तरह का मिजाज दो दिन तक बना रह सकता है।

दिग्विजय सिंह राजगढ़ और कांतिलाल भूरिया रतलाम से लड़ेंगे चुनाव

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की दूसरी सूची में 12 प्रत्याशी

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की 12 सीटों के प्रत्याशी शनिवार देर रात घोषित कर दिए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एक बार फिर 33 वर्ष बाद राजगढ़ से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। वहीं, रतलाम लोकसभा सीट से कांतिलाल भूरिया को प्रत्याशी बनाया गया है। गुना लोकसभा सीट समेत छह सीटों के प्रत्याशियों के नाम अभी घोषित नहीं किए गए हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए नए चेहरों पर दांव लगाया है। बालाघाट से सम्राट सारस्वत और जबलपुर से दिनेश यादव पर भरोसा जताया है। सागर से चंद्रभूषण सिंह गुड्डू राजा बुंदेला को प्रत्याशी बनाया है। वह विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे। वह खुरई से चुनाव लड़ने की तैयारी में थे लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया था। भोपाल, रीवा, शहडोल से ये हैं उम्मीदवार रीवा से नीलम अभय मिश्रा को चुनाव मैदान में उतारा गया है। नीलम सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा की धर्मपत्नी हैं। शहडोल से फुंदेलाल सिंह मार्को प्रत्याशी होंगे, जो पुष्पराजगढ़ से विधायक हैं। वहीं होशंगाबाद से तेंदूखेड़ा के पूर्व विधायक संजय शर्मा को मैदान में उतारा है। भोपाल से अरुण श्रीवास्तव को प्रत्याशी बनाया है। वह भोपाल जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष हैं। उज्जैन के तराना से विधायक महेश परमार, मंदसौर से पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर और इंदौर से अक्षय बम को प्रत्याशी बनाया गया है। गुना में उलझा मामला सूत्रों का कहना है कि गुना लोकसभा सीट को लेकर मामला उलझा हुआ है पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने यहां से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है जबकि स्थानीय स्तर पर उनके नाम को लेकर सहमति नहीं है जिसके चलते अभी इस सीट के प्रत्याशी को लेकर निर्णय नहीं हो पाया है। वहीं, मुरैना, ग्वालियर, दमोह, खंडवा और विदिशा के प्रत्याशियों को लेकर अभी मंथन किया जा रहा है। विधायकों पर भी लगाया दांव पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए दो विधायकों पर दांव लगाया है। शहडोल से फुंदेलाल सिंह मार्को और तराना से महेश परमार अभी विधायक हैं।

मप्र में 1.90 लाख टीबी मरीज खोजने का लक्ष्य, अब तक खोजे महज 20 प्रतिशत, कैसे हो रोग की रोकथाम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) तेजी से फैल रहा है। केंद्र सरकार ने 2025 तक इसे देशभर से खत्म करने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए प्रदेश में 1.90 लाख टीबी मरीज खोजने का लक्ष्य है, लेकिन अब तक स्वास्थ्य विभाग 20 प्रतिशत टीबी मरीजों को ही चिह्नित कर पाया है। यही कारण है कि टीबी मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। हालांकि इसकी रोकथाम के लिए प्रदेश के 26 जिलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सबसे ज्यादा दमोह जिले में तीन हजार टीबी मरीज हैं। इसके साथ ही आजकल टीबी और मधुमेह (डायबिटीज) दोनों बीमारियों से पीड़ित मरीज भी बढ़ रहे हैं। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो बैक्टीरिया माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होती है, जबकि मधुमेह एक गंभीर रोग है, जो इंसुलिन की कमी या उसके प्रभाव की कमी के कारण होता है। अगर किसी व्यक्ति को दोनों बीमारियां हो जाए तो उसका इलाज बहुत ही मुश्किल हो जाता है। भोपाल जिले में नौ हजार 300 टीबी मरीज हैं, इनमें से 2300 मरीज को मधुमेह भी है। शासन की ओर से टीबी बीमारी पर नियंत्रण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इस पर स्वास्थ्य विभाग की धीमी रफ्तार के कारण नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम टीबी मरीज को खोजने का लक्ष्य पूरा नहीं कर पा रही है। इन जिलों में मरीज खोजने की रफ्तार धीमी भोपाल में साढ़े 12 हजार में से अब तक ढाई हजार मरीज ही खोजे गए हैं। वहीं इंदौर में 10 हजार 900 में से 2200 मरीज चिह्नित किए गए हैं। जबलपुर में आठ हजार में से डेढ़ हजार व ग्वालियर में साढ़े 11 हजार में से 2200 मरीज ही विभाग चिह्नित कर पाया।

टीबी पर नियंत्रण के लिए टीकाकरण जारी

प्रदेश के 26 जिलों में 18 वर्ष की उम्र से अधिक के चिन्हित लोगों को टीबी से बचाव के लिए सात मार्च से एडल्ट टीबी वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसमें भोपाल,आगर मालवा,अशोक नगर, बड़वानी, भिंड, हरदा, होशंगाबाद, जगलपुर,कटनी, मंडला, मुरैना, नरसिंहपुर, पन्ना,रायसेन, रतलाम, सतना, सीहोर, शहडोल, श्योपुर, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया शामिल है।

ऐसे करें बचाव

यदि किसी व्यक्ति को टीबी और मधुमेह जैसी दोनों बीमारियां हो तो उनके लिए स्वस्थ जीवनशैली अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श लें। उपचार का पालन करें, और दवाओं का सही समय पर सेवन करें। इसके अलावा, स्वस्थ आहार, व्यायाम और ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है। इससे रोग नियंत्रण में मदद मिलती है और उन्हें बेहतर जीवनशैली का आनंद लेने में सहायता मिलती है।

जेयू सिंगल क्लिक पर देगा ग्वालियर-चंबल संभाग के हर कालेज की जानकारी

ग्वालियर – जीवाजी से संबद्धता प्राप्त हर एक कालेज की विस्तृत जानकारी अब सिंगल क्लिक पर ही मिल जाएगी । जेयू आगामी दिनों में एक ऐसा नवाचार करने जा रहा है जो पूरे ग्वालियर चंबल संभाग के लाखों छात्रों के लिए बड़ी राहत की खबर है। दरअसल जेयू की योजना है कि ग्वालियर चंबल संभाग के प्रत्येक कालेज की वेबसाइट हो, जिस पर कालेज से जुड़ी प्रत्येक जानकारी मौजूद रहे। छात्र को किसी भी प्रकार की जानकारी अगर चाहिए हो तो उसे परेशान न होना पड़े , उसे सिंगल क्लिक पर ही संबंधित कालेज की पूरी जानकारी मिल सके। जेयू के डीसीडीसी शांतिदेव सिसोदिया की मानें तो प्रत्येक कालेज को अपनी वेबसाइट आवश्यक रुप से बनानी होगी , साथ ही जिन कालेजों की वेबसाइट पहले से बनी हुई है उन्हें अपनी पूरी जानकारी अपड़ेट करना होगा। बता दें कि जो कालेज इस मामले में अनदेखी करेंगे तो उनके ऊपर सख्त कार्यवाही भी की जा सकती है। कोर्स से लेकर शिक्षकों तक की जानकारी जेयू इन सभी वेबसाइट की लिंक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करेगा । जिसमें कालेज के नाम के साथ छात्र को लिंक मिल जाएगी। जैसे ही छात्र उस लिंक पर क्लिक करेगा वैसे ही वह संबंधित कालेज की वेबसाइट पर पहुंच जाएगा।

बाइक से जा रहे नमकीन फैक्ट्री के मालिक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में लालघाटी स्थित वीआइपी गेस्ट हाउस के सामने शुक्रवार रात अज्ञात वाहन ने नमकीन फैक्ट्री मालिक की बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें हमीदिया अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम करने के बाद छानबीन शुरू कर दी है। टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक का पता लगाने के लिए पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक 46 वर्षीय राजेश राठौर सुदामा नगर, सीहोर में रहते थे। भोपाल में एयरपोर्ट रोड पर उनकी नमकीन की फैक्ट्री है। वह

सीहोर से भोपाल रोज अप-डाउन करते थे। शुक्रवार रात वह भोपाल स्टेशन के पास स्थित दुकान पर आर्डर डिलीवर करने गए हुए थे। वहां से वह बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रात 11 बजे लालघाटी स्थित वीआइपी गेस्ट हाउस के सामने अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान रात दो बजे उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक तौर पर लगता यही है कि अज्ञात वाहन ने नमकीन व्यापारी को टक्कर मारी होगी। इस मामले में पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक करने के बाद आगे की कार्रवाई करेगी। बैरसिया में साइकिल सवार को कार ने रौंदा उधर, बैरसिया थाना पुलिस के मुताबिक सागौनीकला निवासी 47 वर्षीय देवीराम पुत्र सोमतसिंह जाटव मजदूरी करता था। शनिवार सुबह आठ बजे वह साइकिल से काम की तलाश में बैरसिया जा रहा था। इस दौरान ग्राम नरेला के पास एक तेज रफ्तार कार ने देवीराम को चपेट में ले लिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

संपादकीय

मलबे के तेरह करोड़ टुकड़ों का यह है गूगल कनेक्शन

हाल ही में खबर आई कि एक ऑस्ट्रेलियाई उपग्रह और संदिग्ध चीनी सैन्य उपग्रह के बीच टक्कर होने वाली है। इससे पहले अमेरिकी सरकार के संघीय संचार आयोग ने पहली बार सैटेलाइट टीवी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी डिश नेटवर्क पर 1,50,000 डॉलर का जुर्माना लगाया। अंतरिक्ष उद्योग से जुड़े कई लोगों के लिए यह हैरानी की बात थी, क्योंकि जुर्माना किसी हालिया मलबे के लिए नहीं लगाया गया था, बल्कि 21 वर्षों से अंतरिक्ष में स्थित इकोस्टार-7 नामक एक संचार उपग्रह के लिए लगाया गया था। इकोस्टार-7 पर जुर्माना अमेरिका का पहला मामला हो सकता है, लेकिन संभवत: आखिरी नहीं होगा। हम अंतरिक्ष उपयोग के एक ऐसे अभूतपूर्व युग में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें संभावना है कि इस दशक के अंत तक अंतरिक्ष में सक्रिय उपग्रहों की संख्या 700 फीसदी तक बढ़ जाएगी। जैसे-जैसे अंतरिक्ष में भीड़ बढ़ती जाएगी, हजारों उपग्रहों एवं कबाड़ के टुकड़ों पर नजर रखना और भी महत्वपूर्ण हो जाएगा। मनुष्य 1957 से अंतरिक्ष में उपग्रह भेज रहा है और वर्तमान में पृथ्वी के चारों ओर विभिन्न कक्षाओं में 8,700 से अधिक उपग्रह सक्रिय हैं। उपग्रह अमूमन पृथ्वी की तीन प्रमुख कक्षाओं में होते हैं। सबसे आम पृथ्वी की निचली कक्षा है, जिसमें कम से कम 5,900 सक्रिय उपग्रह हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भी पृथ्वी की निचली कक्षा में है, जो हर दिन 16 बार पृथ्वी का चक्कर लगाता है। ऊपरी मध्यम पृथ्वी कक्षा उतनी व्यस्त तो नहीं है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण उपग्रहों का घर है-वह हमें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम या जीपीएस प्रदान करती है। जियो-सिंक्रोनस (भू-स्थैतिक) कक्षा में पृथ्वी से 35,000 किलोमीटर ऊपर उपग्रह होते हैं। अंतरिक्ष में मलबे के 13 करोड़ से अधिक टुकड़े हैं, जिनमें से केवल 35,000 टुकड़े (10 सेमी से अधिक) ऐसे हैं, जिन्हें नियमित रूप से जमीन से ट्रैक किया जा सकता है। यहीं पर अंतरिक्ष क्षेत्र संबंधी जागरूकता की आवश्यकता सामने आती है, जिसके तहत सक्रिय उपग्रहों और अंतरिक्ष के मलबे सहित पृथ्वी की कक्षा में मौजूद वस्तुओं का पता लगाने एवं उनकी निगरानी का काम किया जाता है। जमीन से पता लगाने के लिए हमें राडार या दूरबीन जैसे ऑप्टिकल सिस्टम की जरूरत होती है। राडार आसानी से पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित वस्तु का पता लगा सकते हैं, लेकिन ऊपरी कक्षा के लिए हमें ऑप्टिकल सेंसर की आवश्यकता होती है।

मेघनाद को 'इंद्रजीत' क्यों कहते हैं, जानिए संस्कृति के पन्नों से

ब्रह्मा से वरदान पाकर रावण लगभग अजेय हो गया था। शक्तिशाली व्यक्ति प्राय: उच्छृंखल हो ही जाता है। रावण की सेना ने यत्र-तत्र आक्रमण किए और एक दिन उसकी सेना देवलोक पर चढ़ आई। देवताओं के लिए रावण से लड़ना सरल नहीं था, फिर भी देवताओं ने राक्षसों को कड़ी टक्कर दी। रावण ने जब देखा कि देवताओं को युद्ध के सामान्य तरीकों से परास्त करना संभव नहीं होगा, तो उसने अपने वीर पुत्र मेघनाद को युद्धभूमि में भेजा। मेघनाद अपने पिता की भांति शक्तिशाली होने के साथ-साथ अनेक तांत्रिक शक्तियों का स्वामी एवं मायाजाल में निपुण था। उसने ये सब सिद्धियां निकुंभला की गुफा में तामसी साधना करके अर्जित की थीं। कठोर तप द्वारा मेघनाद ने अग्निहोम, अश्वमेध, बाहुस्वर्ण, राजसूय, गोमेद और वैष्णव जैसे छह महान यज्ञ भी संपन्न किए थे। उसके पास भगवान शिव द्वारा दिया गया दिव्य रथ था, जो क्षण भर में किसी भी स्थान पर पहुंच सकता था। वह अदृश्य होकर शत्रु से युद्ध कर सकता था। मेघनाद के पास एक अजेय धनुष, दो अक्षय तरकश और अनेक दिव्यास्त्र भी थे। कुल मिलाकर मेघनाद एक खतरनाक और असाधारण योद्धा था। मेघनाद के युद्धभूमि में पहुंचते ही स्थिति पलट गई। शीघ्र ही उसके युद्ध-कौशल के समक्ष देवता परास्त हो गए। मेघनाद ने देवराज इंद्र को बंदी बना लिया और उसे लंका लाकर रावण के सामने खड़ा कर दिया। इंद्र की ऐसे दशा देखकर रावण की खुशी का ठिकाना न रहा।

एक मिथक के बहाने: क्या हाथियों के भी कब्रिस्तान होते हैं, बंगाल में मिले अवशेषों से शोधकर्ता भी असमंजस में

क्या हाथियों के भी कब्रिस्तान होते हैं? विश्व की कुछ संस्कृतियों में ऐसे लोकप्रिय मिथक जरूर मिलते हैं, लेकिन इनके प्रमाण अब तक नहीं मिले थे। लेकिन हाल ही में एशियाई हाथियों की एक कब्रगाह के पुरावशेषों ने पुरानी बहस को फिर जन्म दिया है कि क्या हाथियों को भी दफनाया जाता था? जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा में प्रकाशित शोध में दो वैज्ञानिकों ने इससे जुड़े पांच उदाहरणों का जिक्र किया है। भारत में बंगाल का वह क्षेत्र, जहां चाय के बागान मिलते हैं, वहां काफी गहराई में छोटे हाथियों की एक कब्र मिली है। खास बात है कि यहां मिले अवशेषों में हाथी के चारों पैर ऊपर की ओर हैं। यह देखकर शोधकर्ता भी असमंजस में हैं। हालांकि उनका कहना है कि हाथियों की असामान्य स्थिति की कई वजहें हो सकती हैं। कई हाथियों के पैरों के आसपास की जमीन का संकुचित होना और मृत्यु के बाद घसीटे जाने का संकेत देती चोटें, सभी हाथियों को जान-बूझ कर दफनाने की प्रथाओं की ओर इशारा करती हैं। इससे यह सवाल भी उठता है कि क्या हाथियों के समुदाय में मृत्यु के बाद अपने साथी को दफनाने की व्यवस्था होती है। अगर यह सही है कि जानवरों में भी मृत्यु और दुख की समझ होती है, तो इसका मतलब तो यही है कि मनुष्य उतना भी अनूठा नहीं, जितना उसे अमूमन समझा जाता है। पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि हमारे होमिनिड पूर्वज कम से कम एक लाख साल या शायद इससे भी ज्यादा समय से मृतकों को दफनाते रहे हैं। कालांतर में कुछ संस्कृतियों में शवों को जलाने का उपक्रम शुरू किया गया। हालांकि शवों को प्रकृति में विलीन करना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इस प्रक्रिया के जरिये उस वक्त के लोगों के दिमाग में क्या चलता होगा या उनकी भावनाएं कैसी होती होंगी, यह अनुमान लगाना महत्वपूर्ण है। हमारे पूर्वजों के लिए दफनाना केवल शवों का निपटान नहीं था, बल्कि अपने दुख की अभिव्यक्ति और जो गुजर चुके हैं, उनके प्रति सम्मान भी था। विभिन्न संस्कृतियों में मरे हुए लोगों को याद रखने के तरीकों के रूप में लोग उनके अंतिम संस्कार में अपना समय और प्रयास लगाते हैं। जाहिर है कि दफनाना भी हमारी भावना और सहानुभूति का स्पष्ट संकेत है। माना जाता है कि मृत्यु के उपरांत हमारी प्रतिक्रियाएं मानवता को दर्शाती हैं। लेकिन आज तक किसी पशु प्रजाति में मृत्यु को लेकर प्रतिक्रिया में ऐसा सामाजिक प्रतिनिधित्व नहीं दिखा है। लोक परंपराओं और सदियों से चले आ रहे किस्से-कहानियों को छोड़ दें, तो किसी भी पशु प्रजाति में अपने मृतकों को व्यवस्थित रूप से दफनाने के प्रमाण नहीं मिलते हैं। क्या हाथी को जान-बूझ कर दफनाया गया यह निष्कर्ष निकालना कि हाथियों के समुदाय में कभी अंत्येष्टि की रस्म होती होगी, जल्दबाजी होगा। विचार के स्तर पर यह भले ही दिलचस्प लगे, लेकिन व्यवहार में इसे प्रमाणित नहीं किया जा सकता। यह भी हो सकता है कि हाथियों का समूह कहीं जा रहा हो और हाथियों के कुछ बच्चे खाई में गिर गए हों। हालांकि हाथियों की भावनाओं के बारे में जो बातें हम जानते हैं, वे भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। हाथियों को अपने मृत बच्चों के शरीर को ले जाते देखा गया है। जब वे किसी अन्य हाथी या फिर किसी अन्य प्रजाति के शव के पास से गुजरते हैं, तो उनका व्यवहार अक्सर बदल जाता है। ऐसे अवसरों पर हाथी अमूमन मृत हाथी के शरीर की चुपचाप जांच करते हैं, सिर झुकाकर उसके अंगों को सूंघते हैं या शायद छूते हैं, शव को हिलाने या जगाने की कोशिश करते हैं और दुर्लभ अवसरों पर यह भी हो सकता है कि वे उस पर मिट्टी या पेड़ की पत्तियां या तने डालने की कोशिश करते हों। ये ठीक वैसी ही प्रतिक्रियाएं हैं, जो मनुष्य शोक की अवस्था में दिखाते हैं। मृत्यु को समझना मृत साथियों के प्रति दिलचस्पी दिखाने वाले अकेले हाथी नहीं हैं। कौवों में भी यही प्रवृत्ति दिखती है। वे भी मृत कौवे को बीच में रखकर एकत्रित होते हैं, जिसे उनके अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के रूप में पहचाना जाता है। ऐसा महसूस होता है कि कौवों का यह जमावड़ा उन्हें किसी खतरे से बचने के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है कि ऐसा न हो कि वे भी उसी स्थिति में पहुंच जाएं। इसके अलावा, चींटियां भी अपने मृतकों को दूर कर देती हैं। चींटियां दरअसल मृत चींटियों द्वारा स्रावित होने वाले रसायनों से उन्हें पहचानती हैं। चींटियों की कुछ प्रजातियों में तो मृत चींटियों को दफनाने की भी परंपरा दिखती है, ताकि बीमारी के स्थानांतरण की आशंका को सीमित किया जा सके। हालांकि शोधकर्ता भी यह मानते हैं कि चींटियों या हाथियों के इस व्यवहार का मतलब यह कतई नहीं निकालना चाहिए कि उन्हें जिंदगी या मौत की कोई समझ है। 1950 के दशक में जीव विज्ञानी और कीट विज्ञानी ईओ विल्सन ने एक प्रयोग के तहत जीवित चींटियों पर एक खास रसायन लगाया, नतीजा यह हुआ कि बाकी चींटियां उनके साथ मृत जैसा ही व्यवहार करने लगीं। बाकी चींटियों ने उन्हें पकड़ कर बाहर खींच लिया और झुंड से अलग फेंक दिया। रसायनों के प्रति कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं चूहों में भी देखी गईं। चूहे भी मृत चूहों से आने वाली खास गंध पर प्रतिक्रिया देते हैं। यहां तक कि जिन लकड़ियों से गंध आने लगती है, चूहे उन पर भी वैसी ही प्रतिक्रिया देते हैं। हालांकि चूहे और चींटियों के ये उदाहरण स्पष्ट तौर पर मनुष्य या हाथियों सहित कई प्रजातियों में दिखने वाले शोक व्यवहार से अलग हैं। जहां तक हाथियों की बात है, तो यह कहना फिलहाल मुश्किल है कि हाथी वास्तव में अपने मृत साथियों को दफनाते हैं या नहीं, लेकिन परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु पर उनकी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं जरूर देखने लायक होती हैं। क्या हाथी रोते हैंम नुष्य कई भावनात्मक वजहों से रोते हैं, जैसे दर्द, भय, उदासी या अकेलापन। हाथी भी इन सभी का अनुभव करते हैं और इंटरनेट पर कई रील्स में आप हाथियों को रोते हुए देख भी सकते हैं। लेकिन उन्हें होने वाले दुख और उनकी आंखों के आंसुओं में अब तक कोई संबंध स्थापित नहीं हो पाया है। किसी अन्य जानवर की तुलना में हाथी अपने समूह के दूसरे सदस्यों के प्रति ज्यादा सहानुभूति रखने के लिए जाने जाते हैं। वे दूसरे हाथियों की रक्षा करते हैं, उन्हें आराम देते हैं, कमजोर हाथियों की मदद करते हैं, इत्यादि। अगर कभी जानवरों के आंसुओं और उनकी भावनाओं में कोई संबंध मिले, तो शायद हाथी इसके लिए पहले उम्मीदवार होंगे। हाथियों के आंसुओं के कारण दरअसल जैविक होते हैं। मनुष्यों और अन्य स्तनधारियों की आंखों में जब कोई कचरा जाता है, तो आंसू उन्हें बाहर निकालते हैं, जबकि हाथियों में आंसुओं की इस व्यवस्था की कमी होती है, इसलिए उनके आंसू निकलते रहते हैं

एक धर्मनिरपेक्ष संत: गांधीवाद के इतिहास की समृद्ध अंतर्दृष्टि पेश करती है चंडी प्रसाद भट्ट की आत्मकथा

एक भारतीय, जिनकी मैं बेहद प्रशंसा करता हूं, वह हैं सामाजिक कार्यकर्ता और चिपको आंदोलन के प्रणेता चंडी प्रसाद भट्ट। जब मैं बीस साल का था, तब उनसे पहली मुलाकात ने मेरे जीवन पर काफी परिवर्तनकारी प्रभाव डाला। उसके बाद मैं उनसे कई बार मिला, हर मुलाकात में दुनिया और भारत के सामने मौजूद नैतिक, राजनीतिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों और उन्हें नियंत्रित करने के लिए क्या किया जा सकता है, इस बारे में नई अंतर्दृष्टियां मिलीं। कुछ वर्ष पहले चंडी प्रसाद भट्ट ने हिंदी में अपनी आत्मकथा प्रकाशित की थी। उसे अब अंग्रेजी में समीर बनर्जी ने जेंटल रेसिस्टेंस नाम से अनूदित किया है। भट्ट का जन्म 1934 में हुआ, जब भारत अंग्रेजों का उपनिवेश ही था। शुरुआती अध्यायों में उनके बचपन की विविध यादें हैं, साथ ही उनकी बड़ी बहन (जिनसे उनका गहरा लगाव था), उनके शिक्षक, गांव के बुजुर्गों और मेहनतकश निचली जातियों के लोगों की मार्मिक छवियां हैं। एक बाह्मण होने के नाते युवा चंडी प्रसाद को उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त थी। हालांकि वह समृद्ध नहीं थे। जब वह मात्र एक साल के थे, उनके पिता का देहांत हो गया। परिवार गरीब था, हालांकि बेसहारा नहीं था। जैसा कि वह लिखते हैं, 'बचपन में हम निरंतर अभाव में रहे, कुछ भी बहुत ज्यादा नहीं था, कभी भी पर्याप्त पैसा नहीं था, और हर वस्तु, जिसकी हमें जरूरत थी, अपर्याप्त लगती थी।' घर का चूल्हा जलाने के लिए उस किशोर लड़के को खेत जोतनी और गायें चरानी पड़ती थीं। चंडी प्रसाद आकर्षक स्पष्टता के साथ बताते हैं कि कैसे वह एक उदासीन छात्र थे, जो बमुश्किल ही परीक्षाएं उत्तीर्ण कर पाते थे। विश्वविद्यालय में पढ़ाई का तो खैर कोई सवाल ही नहीं था! सौभाग्य से एक स्थानीय बस कंपनी में बुकिंग क्लर्क की नौकरी मिल गई, जिसमें वेतन के नाम पर मामूली रकम मिलती थी। वे बसें तीर्थयात्रियों को हिमालय के पवित्र तीर्थस्थलों तक ले जाती थीं और अपने काम के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों से मिलने से उनके सांस्कृतिक एवं भौगोलिक ब्रह्मांड का विस्तार हुआ। वर्ष 1956 में प्रतिष्ठित गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता जयप्रकाश नारायण ने गढ़वाल के उस इलाके का दौरा किया, जहां भट्ट रहते थे। वह उनकी बातें सुनने गए थे; जैसा कि उन्होंने साठ साल बाद याद किया, जेपी के 'शब्दों ने मुझे अंतरात्मा की गहराई तक छू लिया।' भट्ट फिर एक स्थानीय सर्वोदय कार्यकर्ता मान सिंह रावत से मिले, जिन्होंने उनके साथ पहाड़ियों पर पदयात्रा की। जेपी के शब्दों और मान सिंह के उदाहरण ने भट्ट को गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन की नौकरी छोड़कर पूरा समय सामाजिक कार्यों में समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। 1960 के दशक में भट्ट ने श्रम सहकारी समितियों और महिला मंगल दलों (महिला कल्याण संघ) के गठन में सहयोगियों के साथ काम किया। 1960 के दशक के अंत तक उन्होंने गढ़वाल में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काफी प्रतिष्ठा हासिल कर ली थी। इस बीच भट्ट ने पहाड़ियों में व्यावसायिक वानिकी की लूट का गहन अध्ययन करना शुरू कर दिया था। जंगलों की तबाही को देखकर भट्ट ने खुद से सवाल किया = 'क्या इस शोषणकारी उन्माद को रोका जा सकता है?' उन्होंने सोचा कि यह हो सकता है, लेकिन केवल तभी, जब पहाड़ के लोग एक बार फिर अपने जंगलों पर नियंत्रण हासिल कर सकें, जो उनके अपने जीवनयापन और अस्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे। 1973 में भट्ट ने व्यावसायिक वानिकी के खिलाफ ग्रामीणों द्वारा पहले विरोध प्रदर्शन के आयोजन और नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसे सामूहिक रूप से %चिपको आंदोलन% के रूप में जाना जाता है। चिपको आंदोलन के दौरान भट्ट की मुलाकात लखनऊ में एक वरिष्ठ नौकरशाह से हुई थी, जिनसे वह जंगलों पर राज्य के बजाय समुदाय के नियंत्रण पर जोर देने के लिए मिलने गए थे। यहां दर्शाया गया है कि एक सामाजिक कार्यकर्ता नौकरशाह के दफ्तर में अपने प्रवेश का वर्णन कैसे करता है = 'मैंने उनका अभिवादन किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। बार-बार नमस्कार करने और कोई उत्तर न मिलने पर मैं झिझकते हुए उनके सामने कुर्सी पर बैठ गया।' कुछ देर बाद उन्होंने एक सिगरेट जलाई। धुआं छोड़ते हुए वह मेरी ओर मुड़े और पूछा, 'यह सब क्या कर रहे हो?' घूरते और कश लगाते हुए वह मुझ पर धुंआ फेंकते रहे। मैंने उन्हें अपनी बात बताने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं थी। उनका दृष्टिकोण नौकरशाहों के अनुरूप ही प्रतीत होता था-यानी उनकी नजर में पहाड़ी किसान घृणित थे और उनकी छोटी इकाइयां राजनीति के शानदार शरीर पर फोड़े की तरह थीं, जिन्हें औकात में रखना उनका कर्तव्य था। इस चित्रण की तुलना भट्ट द्वारा प्रस्तुत दूसरे चित्रण से करें, जो समान रूप से ज्वलंत, लेकिन कहीं अधिक सशक्त है। यह चित्रण गौरा देवी के बारे में है, जो मार्च 1974 में रेनी गांव में हुए चिपको प्रदर्शन की नेता थीं, आज से ठीक पचास साल पहले। उन्होंने कभी स्कूल नहीं देखा था, और वह जल्दी ही विधवा हो गई थीं। वह अपनी जमीन के छोटे से टुकड़े पर जीवन यापन कर रही थीं। फिर भी उन्हें 1965 में अपने गांव में महिला मंगल दल शुरू करने और नौ साल बाद उनका नेतृत्व करने के लिए समय और ऊर्जा मिली, जो शायद हिमालय के इतिहास में सभी चिपको विरोध-प्रदर्शनों में सबसे प्रतिष्ठित है। वर्ष 1991 में गौरा देवी की मृत्यु हो गई। भट्ट लिखते हैं, असमानता और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई में हमारा मार्गदर्शन करने के लिए उनके सौम्य प्रतिरोध की केवल चमकदार और प्रेरणादायक शक्ति रह गई। उत्पीड़न से लड़ने की उनकी इच्छा उनके और उनकी साथी महिलाओं के जीवन की कठिनाइयों से उपजी थी, जो पीढ़ियों से गरीबी और व्यक्तिगत त्रासदी से निपटने की कोशिश कर रही थीं। भट्ट मुख्यत: एक जमीनी संगठनकर्ता हैं, फिर भी वह एक व्यावहारिक विचारक भी हैं, खासकर टिकाऊ आर्थिक प्रणाली के संबंध में। 1976 की शुरुआत में ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि लापरवाह ढंग से किया गया सड़क निर्माण जोशीमठ शहर में घरों के ढहने में योगदान दे रहा था। चंडी प्रसाद भट्ट की आत्मकथा एक अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तक है। उनके अपने अनुभवों का वर्णन सामाजिक और पर्यावरणीय इतिहास के साथ-साथ गांधी के बाद गांधीवाद के इतिहास की समृद्ध अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। यह पुस्तक कुछ हद तक साहित्यिक महत्व का दस्तावेज भी है। मुझे विश्वास है कि इसे व्यापक पाठक वर्ग प्राप्त होगा, जिसका यह हकदार है।

ऋषभ पंत संग शादी करेंगी उर्वशी रौतेला

सवाल सुनकर ऐसा था एक्ट्रेस का रिएक्शन

नई दिल्ली । उर्वशी रौतेला अपनी फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। क्रिकेटर ऋषभ पंत के साथ उनका नाम जुड़ता रहा है। फैन्स भी दोनों के खूब मजे लेते हैं। जब ऋषभ का एक्सीडेंट हुआ था वह और उनकी मां अस्पताल मिलने भी पहुंची थीं। कई बार तो उनकी शादी तक की अफवाहें भी उड़ी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब एक्ट्रेस से ऋषभ संग शादी को लेकर सवाल किया गया तो उनका रिएक्शन थोड़ा हैरान करने वाला था।

ऋषभ संग शादी पर बोलीं उर्वशी ने फिल्मी ज्ञान के साथ इंटरव्यू में कहा कि उन्हें जिंदगी में प्यार हुआ है ब्रेकअप भी हुआ है। उनसे एक यूजर का सवाल पूछा गया, 'ऋषभ पंत को मत भूलना मैम। वो बहुत रेस्पेक्ट करता है आपकी और वो बहुत खुश रखेंगे आपको। हमें खुशी होगी अगर आप उनसे शादी करते हो तो।' उर्वशी सवाल को ध्यान से सुनती हैं और इस तरह रिएक्ट करती हैं कि इस सवाल में उनका कोई इंटरेस्ट नहीं है। आखिर वह कहती हैं, 'कोई कमेंट नहीं करना चाहूंगी।'

शादी के लिए कैसा लड़का चाहिए इंटरव्यू के एक सेक्शन में उनसे कई सेलिब्रिटीज के लिए हैशटैग देने के लिए कहा गया। जब ऋषभ का नाम आया तो उन्होंने #Health कहा। आगे जब उनसे पूछा गया कि वह शादी के लिए कैसा लड़का चाहती हैं तो उन्होंने कहा, 'संस्कारी, सिंपल, सुशील।'

एल्विश का किया सपोर्ट उर्वशी ने एल्विश के साथ एक म्यूजिक वीडियो किया। उनसे एल्विश की गिरफ्तारी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे इस बारे में ज्यादा पता नहीं है लेकिन मेरी दुआएं उनके और उनके परिवार के लिए है। उम्मीद है कि यह सब चीजें ठीक हो जाएंगी।'

उर्वशी रौतेला ने पीली साड़ी में किए रामलला के दर्शन, जल्द होगी राजनीति में एंट्री

मुंबई । बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और मॉडल उर्वशी रौतेला विभिन्न कारणों से लगातार खबरों में बनी हुई हैं। उर्वशी ने कई फिल्मों में अभिनय करते हुए अपनी ग्लैमरस भूमिकाओं से लोगों का दिल जीता है। हाल ही में उर्वशी की तस्वीरें वायरल हुई हैं। जिसमें वह अयोध्या में रामलला के दर्शन करती नजर आ रही हैं। उर्वशी के राजनीति में आने की खबर हवा की तरह फैल गई।अयोध्या से उर्वशी की तस्वीरें वायरल हो गई हैं। वह पारंपरिक अंदाज में रामलला के दर्शन करती नजर आ रही है। इसी बीच एक इंटरव्यू में जब उर्वशी से उनके राजनीति में आने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे टिकट मिल गया है। अब राजनीति में आना या न आना सिर्फ मेरा फैसला है। मुझे नहीं पता कि मैं राजनीति में आऊंगी या नहीं लेकिन मुझे अपने प्रशंसकों की प्रतिक्रिया जानने में दिलचस्पी है। वे मुझे बताएं-मुझे राजनीति में जाना चाहिए या नहीं।'उर्वशी जल्द ही आगामी फिल्म 'जेएनयू' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उर्वशी रौतेला के साथ रविकिशन और सिद्धार्थ बोडके खास भूमिका में हैं। यह फिल्म 5 अप्रैल को स्क्रीन पर आएगी। फिल्म के जरिए उर्वशी लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर अभिनय करती नजर आएंगी।

भाजपा ने निर्वाचन आयोग से की शिवराजकुमार की फिल्म पर रोक लगाने की मांग

डेस्क। देशभर में चुनाव माहौल साफ देखने को मिल रहा है। ऐसे में हर शख्स अपनी पसंदीदा पार्टी का समर्थन करने में लगी हुई है। इसी क्रम में भाजपा ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से अभिनेता शिवराजकुमार की फिल्मों, विज्ञापनों और होर्डिंग के प्रदर्शन पर रोक लगाने का अनुरोध किया। अभिनेता को लेकर दावा किया गया था कि वह लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के लिए प्रचार कर रहे हैं। उनकी पत्नी गीता शिवराजकुमार आगामी चुनावों के लिए शिमोगा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस की उम्मीदवार हैं और अभिनेता को इस सप्ताह की शुरुआत में उनके लिए प्रचार करते देखा गया था। चुनाव आयोग को लिखे एक पत्र में, बीजेपी ओबीसी मोर्चा विंग के कर्नाटक राज्य अध्यक्ष और वरिष्ठ बीजेपी नेता आर रघु ने कहा कि शिवराजकुमार, राज्य में एक प्रमुख व्यक्ति हैं और वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के लिए राज्यव्यापी चुनाव अभियान में लगे हुए हैं। अपने सिनेमाई कार्य और अपनी फैन फॉलोइंग के माध्यम से जनता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। रघु ने कहा, हालांकि हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के उनके अधिकार का सम्मान करते हैं, लेकिन चुनाव के दौरान समान अवसर बनाए रखना और अनुचित लाभ या प्रभाव को रोकना जरूरी है। अभिनेता के लिए यह किसी शॉक से कम नहीं है क्योंकि ऐसे में उनकी फिल्मों को विज्ञापनों को प्रतिबंध का सामना करना पड़ेगा। उनके महत्वपूर्ण प्रभाव और लोकप्रियता को देखते हुए, उन्होंने चुनाव आयोग से सिनेमा हॉल, टीवी चैनलों, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और स्थानीय संगठनों को एक आदेश जारी करके तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया, ताकि निष्कर्ष आने तक शिवराजकुमार की किसी भी फिल्म, विज्ञापन या बिलबोर्ड को प्रदर्शित करने से परहेज किया जा सके। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीना ने को बताया, हम इसकी जांच कर रहे हैं।

रिलीज से पहले 600 करोड़ी फिल्म का बजा डंका,ओटीटी के लिए मेकर्स ने मांगी बड़ी रकम

नई दिल्ली- साउथ से बॉलीवुड तक में एक फिल्म का शोर है, जो 600 करोड़ के बड़े बजट में तैयार हो रहा है. फिल्म में की रिलीज में करीब 1 महीने से ज्यादा का समय है, लेकिन यह सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक बनी हुई है. फिल्म को साउथ के जाने माने डायरेक्टर नाग अश्विन डायरेक्ट की है. साउथ से बॉलीवुड तक के शानदार स्टार कास्ट और एक दिलचस्प कहानी लोगों को अपनी ओर खींच रही है. अब तो आप समझ गए होंगे कि हम किस फिल्म की बात कर रहे हैं. बात कर रहे हैं प्रभास और अमिताभ बच्चन स्टारर कल्कि 2898 एडी की. मेकर्स फिल्म कल्कि 2898 एडी को तय समय पर रिलीज करने के लिए पिछले कई दिनों से लगातार मेहनत कर रहे थे. फिल्म मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. लेकिन, रिलीज से पहले 600 करोड़ी फिल्म का डंका बज गया है. ओटीटी राइट्स देने के लिए मेकर्स ने मोटी रकम मांगी है. कोईमोई की रिपोर्ट के मुताबिक, ये चर्चाएं हैं कि निर्माता इसके डिजिटल राइट्स के लिए 200 करोड़ रुपये की भारी मांग कर रहे हैं. क्या आप भी हैरान हो गए, लेकिन खबरें तो ऐसी ही हैं. नेटफ्लिक्स और अमेजन जैसे कुछ प्लेटफार्मों ने फिल्म के ओटीटी अधिकार हासिल करने के लिए निर्माताओं से संपर्क किया है. हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इससे संबंधित कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. 8 मार्च को रिलीज हुई अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' 60-65 करोड़ के बजट में बनी है. अब कल्कि 2898 एडी के ओटीटी राइट्स 200 करोड़ में बिकती है, तो जाहिर है कि इस बजट में शैतान जैसी तीन फिल्म बन जाएंगी. प्रभास अपने करियर में पहली बार एक सुपरहीरो की भूमिका निभा रहे हैं और उनके प्रशंसक यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं. प्रभास के अलावा, फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. इसमें सहायक कलाकारों के रूप में राजेंद्र प्रसाद, पसुपति, सास्वता चटर्जी और अन्ना बेन भी हैं. वैजयंती मूवीज के तहत सी असवानी दत्त द्वारा निर्मित, कल्कि 2898 एडी एक साथ तेलुगु और हिंदी भाषाओं में रिलीज हो रही है. ऐसा कहा जा रहा है कि सिनेप्रेमियों के बीच व्यापक पहुंच के लिए इसे तमिल, मलयालम, कन्नड़, अंग्रेजी और कई अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया गया है.

बॉलीवुड के इन क्लासिक गानों के बिना अधूरा है होली का त्योहार

मुंबई। होली के त्योहार की तैयारियां हर जगह शुरू हो चुकी हैं। रंगों के इस त्योहार का हर साल लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। होली और बॉलीवुड का रिश्ता बहुत पुराना है। ऐसी कई फिल्में आई हैं जिनमें होली को धूमधाम से मनाते हुए दिखाया गया है। बॉलीवुड के क्लासिक गानों के बिना ये त्योहार अधूरा लगता है। आज हम आपके लिए कुछ ऐसे गानों की लिस्ट लेकर आए हैं, जो आपकी होली की खुशी और बढ़ा देंगे। हालांकि ये गाने बहुत पुराने हैं लेकिन आज भी इन गानों के बिना होली का त्योहार अधूरा लगता है।

रंग बरसे भीगे चुनरवाली1981 में रिलीज हुई फिल्म 'सिलसिला' का गाना 'रंग बरसे भीगे चुनरवाली' आज भी बेहद लोकप्रिय है। यह फिल्म उस समय की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, रेखा और संजीव कुमार अहम भूमिका में हैं। फिल्म का गाना 'रंग बरसे भीगे चुनरवाली' सुने बिना होली का त्योहार पूरा नहीं हो सकता।

होली के दिन दिल खिल जाते हैं 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' गाना आज भी बेहद लोकप्रिय है। फिल्म 'शोले' का ये गाना काफी पॉपुलर हुआ था। ये फिल्म 1975 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी अहम भूमिका में थे। होली के दिन यह गाना हर जगह बजाया जाता है।

आज न छोड़ेंगे आशा पारेख और राजेश खन्ना की फिल्म 'कटी पतंग' का गाना 'आज न चुनेंगे बस हमजोली, खेलेंगे हम होली' आज भी होली समारोह के दौरान बजाया जाता है।

अंग से अंग लगाना शाहरुख खान की फिल्म 'डर' का गाना 'अंग से अंग लगाना, सजन हमें ऐसे रंग लगाना' भी काफी पॉपुलर गाना है। होली के गानों में ये गाना हमेशा सबके दिलों पर राज करता है। यश चोपड़ा की फिल्म 'डर' होली के त्योहार को दर्शाती है। 1993 में रिलीज हुई फिल्मों में ये फिल्म सुपरहिट रही।

होली खेले रघुवीरा होली का जश्न 'होली खेले रघुवीरा' गाने के बिना पूरा नहीं हो सकता। यह गाना होली के खास मौके के लिए बनाया गया है। गाने में लोग गुलाल उड़ा कर होली का त्योहार मनाते नजर आ रहे हैं। यह गाना अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी पर फिल्माया गया है।

बलम पिचकारी 2013 में रिलीज हुई रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण स्टारर 'ये जवानी है दीवानी' सुपरहिट रही थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। फिल्म का गाना 'बलम पिचकारी' होली की खुशी को दोगुना कर देता है।

दिलजीत दोसांझ की शादी की चर्चाओं के बीच निशा बानो ने पोस्ट की फोटो, बताया क्या है सच

नई दिल्ली । दिलजीत दोसांझ की शादी की चर्चाओं ने हाल ही में एक बार फिर से जोर पकड़ा। कियारा आडवाणी के एक पुराने इंटरव्यू के बाद ये कयास लगने लगे कि वह शादीशुदा हैं और उनका एक बेटा भी है। दिलजीत की एक फोटो भी वायरल हुई थी जिसमें वह एक लड़की के साथ थे। फोटो में लड़की दुल्हन के गेटअप में है और सिंगर उनके बगल में खड़े हैं। अब फोटो में नजर आई लड़की ने पोस्ट कर वायरल तस्वीर की सच्चाई बताई है। उनका नाम निशा बानो है जो पंजाब की जानी-मानी सिंगर और एक्टर हैं।

निशा ने बताई सच्चाई

निशा ने बताया कि पंजाब के लोग उनके बारे में अच्छे से जानते हैं कि उनकी शादी समीर माही से हुई है लेकिन यह बात बॉलीवुड को कौन समझाए। उन्होंने वायरल हो रही तस्वीरें भी शेयर की। निशा ने साफ कर दिया कि जिस तस्वीर के साथ उन्हें दिलजीत की पत्नी बताया जा रहा है वह गलत है। वह समीर माही के साथ शादीशुदा हैं।

तस्वीर के साथ शेयर किया पोस्ट- निशा ने पोस्ट में लिखा, 'हाहाहाहा कोई मुझसे भी पूछ ले, उन्होंने मुझे किसी की पत्नी बता दिया। यह खबर वायरल हो रही है और लोग मुझे वीडियो और फोटो में टैग कर रहे हैं। पंजाबियों को तो पता है कि मैं समीर माही की पत्नी हूं लेकिन बॉलीवुड को ये बात कौन समझाएगा?' निशा ने समीर वाही को टैग भी किया है।

कियारा का पुराना बयान हुआ था वायरल- दरअसल यह अफवाह तब फैली जब कियारा आडवाणी का एक पुराना बयान वायरल हो गया। 'गुड न्यूज' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने हिंट दिया कि फिल्म के चारों कलाकारों में केवल वही हैं जिनके बच्चे नहीं हैं।

जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने मैक्सिको की इस पूर्व मॉडल से की शादी

नई दिल्ली । जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने मैक्सिकन उद्यमी और पूर्व मॉडल ग्रेसिया मुनोज से शादी की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गोयल ने कुछ माह पहले ही मुनोज से शादी की है। वे फरवरी में अपने हनीमून से वापस भारत भी लौट आए हैं। हालांकि, अब तक गोयल ने शादी की सार्वजनिक घोषणा नहीं की है। मुनोज के इंस्टा पोस्ट से शुरू हुई अटकलें

रिपोर्ट के मुताबिक, अचानक शादी की अटकलें मुनोज के इंस्टाग्राम हैंडल के कारण शुरू हुई। उन्होंने इंस्टा बायो में कहा कि वे अब भारत में अपने घर पर हैं। इसके अलावा, उन्होंने दिल्ली के कुछ प्रसिद्ध स्थानों की फोटो-वीडियो भी साझा की थी। इसी के साथ उन्होंने इंस्टा हैंडल से एक पोस्ट भी साझा की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था कि मेरे नए घर में मेरे नए जीवन की झलकियां। बता दें, गोयल की पहली शादी कंचन जोशी के साथ हुई थी।

गोयल के इस फैसले से हुआ बवाल

मंगलवार को गोयल ने एक एलान किया था कि शाकाहारी भोजन के लिए तरजीह देने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 'प्योर वेज मोड' सेवा शुरू की जा रही है। साथ ही शाकाहारी खाने की डिलीवरी करने वाले को हरे रंग की ड्रेस पहने का आदेश दिया गया था। हालांकि, कंपनी को भारी विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके बाद जोमैटो ने अपना आदेश वापस ले लिया और अब डिलीवरी बॉय लाल रंग की ड्रेस में ही दिखेंगे।

हालांकि, अगले ही दिन बुधवार सुबह गोयल ने कहा कि हम शाकाहारियों की सेवा करना जारी रखेंगे। लेकिन हरे रंग वाली ड्रेस का आदेश वापस लेने का फैसला लिया है। हमारे सभी डिलीवरी पार्टनर लाल रंग के ही कपड़े पहनेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि लाल रंग वाली ड्रेस पहने डिलीवरी पार्टनर नॉन-वेज खाने से गलत तरीके से जुड़े न हों और किसी विशेष दिनों के दौरान किसी भी आरडब्ल्यूए या सोसाइटी द्वारा ब्लॉक न हों। हमारे राइडर की शारीरिक सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

श्रद्धा कपूर को नहीं अब किसी का डर, छिपाना नहीं चाहतीं रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ रिलेशनशिप की खबरें

नई दिल्ली । श्रद्धा कपूर को लेकर कुछ दिनों से खबरें आ रही हैं कि वह राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। राहुल मोदी उनकी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के राइटर हैं। कुछ दिनों पहले जब अंबानी परिवार का फंक्शन था जामनगर में तब श्रद्धा को एयरपोर्ट पर राहुल के साथ स्पॉट किया गया था। हालांकि एक्ट्रेस मीडिया के सामने उनके साथ खुलकर नहीं आ रही थीं। श्रद्धा अलग से फोटोज के लिए आईं अकेले। लेकिन खबर आ रही है कि अब श्रद्धा अपने रिश्ते को किसी से छिपाना नहीं चाहती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों का रिश्ता अब उस मुकाम पर पहुंच गया है जहां वो इसे अब किसी से छिपाना नहीं चाहते हैं। वेबसाइट के मुताबिक दोनों फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के दौरान साथ आए। फिल्म में काम करते-करते दोनों का बॉन्ड स्ट्रॉन्ग हो गया। दोनों एक-दूसरे के साथ बहुत कम्फर्टेबल हैं इसलिए अब रिलेशन को छिपाना नहीं चाहते। परिवार वाले भी करते पसंद रिपोर्ट में यह भी है कि भले ही दोनों एक-दूसरे के साथ फोटोज क्लिक करवाने में अब कम्फर्टेबल हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि वो जल्द ही अपना रिलेशनशिप ऑफिशयल करेंगे। दोनों काफी प्राइवेट हैं और अपने रिश्ते को लाइमलाइट से बचाना चाहते हैं। हालांकि पहले वे जिस तरह साथ में स्पॉट होने से थोड़े घबरा जाते थे अब ऐसा नहीं है। दोनों फिलहाल हैप्पी प्लेस में है रिलेशन के और एक-दूसरे को लेकर श्योर हैं। दोनों का परिवार भी उन्हें पसंद करता है साथ में। प्रोफेशनल लाइफ श्रद्धा की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह लास्ट फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में ही नजर आई थीं जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर थे। फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अब श्रद्धा फिल्म स्त्री 2 में नजर आने वाली हैं जिसमें राजकुमार राव लीड रोल में हैं। इसका पहला पार्ट सुपरहिट थी और अब दूसरे पार्ट से फैंस को बहुत उम्मीद है।

सिंचाई परियोजनाओं में किसानों के नजरिए से पानी के सिंचाई पॉइंट देने के लिए समिति बनाएं - अपर मुख्य सचिव श्री राजोरा

अपर मुख्य सचिव श्री राजोरा ने मंदसौर जिले के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

मंदसौर/ अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजोरा की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागृह में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव ने जिले में संचालित सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की परियोजना अंतर्गत वर्तमान में किसानों को सिंचाई के लिए पानी के पॉइंट प्रदान किये जा रहे हैं। इस कार्य को और बेहतर तरीके से करने के लिए एक समिति बनाई जाए। समिति यह तय करे कि किसानों के नजरिए से कौन सा पॉइंट बेहतर हो सकता है। उसके अनुसार बेहतर मॉडल तैयार किया जाए। जल निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जल निगम के कार्यों में सोलर ऊर्जा को भी जोड़ा जा सकता है। जहां से पानी सप्लाई होगा वहां पर सोलर ऊर्जा का उपयोग किया जाता है, इस पर काम करें। जल निगम विभाग द्वारा बताया गया कि दिसंबर 2024 तक जल निगम का कार्य पूर्ण हो जाएगा। गांव में पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि सीएम राइस स्कूल अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा बच्चों के एडमिशन स्कूल में हो इसके लिए शिक्षा विभाग इस पर विशेष तौर पर ध्यान दें। जिले में 7 स्कूलों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें से जुलाई सत्र से गुर्जर बढ़िया, साबाखेड़ा एवं मल्हारगढ़ में सीएम राइस स्कूल प्रारंभ हो जाएंगे। उपार्जन अंतर्गत किसानों को किसी प्रकार की समस्या ना हो। इसका विशेष तौर पर ध्यान रखें। उपार्जन के पश्चात परिवहन तीव्र गति से हो। खाद को लेकर किसानों को कोई चिंता नहीं होनी चाहिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिले में संचालित पीएससी, सीएससी की जानकारी ली गई। जन औषधि केंद्र का लाभ जनता को मिले, इसका व्यापक प्रचार प्रसार हो। नगर पालिका को निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करें। जिले में किसी क्षेत्र में पानी की ज्यादा समस्या हो, तो समस्या का कैसे निदान किया जा सकता है इस संबंध में प्रस्ताव शासन को भेजें। इसके साथ ही बैठक के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग, एमपीआरडीसी, पीडब्ल्यूडी, पीआईयू, सेतु निगम, सिहस्थ 2028 के प्रस्तावित कार्य, एमपीईबी, कृषि विभाग, आरईएस के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम सहित निर्माण कार्यों से जुड़े सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

तख्तियों के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा हैं जागरूक

मंदसौर / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देशन में जिले में मतदाता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियॉ आयोजित हो रही हैं। जिले में मतदाताओं को तख्तियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक किया जा रहा हैं साथ ही उन्हें दूसरों को मतदान के लिये प्रेरित किया जा रहा हैं। मतदाता जागरूकता की शपथ ×प्त39;×प्त39;हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। फोटो संलग्न

मतदाताओं को घर-घर जाकर मतदान के लिए किया जागरूक

मंदसौर / भारत निर्वाचन आयोन के तहत जिले में स्वीप गतिविधियों का संचालन जोरो से चल रहा हैं जिसके के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किये जाने हेतु जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए घर–घर जाकर जागरूकता किया जा रहा है। साथ ही सभी लोग आपस में जागरूक हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी मतदान के लिये अपील कर रहें हैं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दिलाई जा रही शपथ

मंदसौर / जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं। ×प्त39;×प्त39;हम,5 भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे卐। तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह गतिविधि हाट बाजार, मेलो, चौराहों पर की जा रही है। साथ मतदान केंद्रों पर जाकर ईवीएम को चलाना, मतदान का महत्व, लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओं को बताया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में जागरूकता उत्पन्न हो।

मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर / लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव– गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है तथा महिलाएं हाथों में मेहंदी लगाकर मतदाताओं को जागरूक कर रही हैं। संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

जनजातीय विकास मंच द्वारा मांडव भगोरिया मैं भव्य स्वागत मंच रखा गया

मांडव/धार, भगोरिया के महापर्व को लेकर, जनजातीय विकास मंच ब्लॉक नालछा द्वारा मांडव में स्वागत मंच संचालित किया गया ,जिसमें क्षैत्र से आए ढोल, मांदल, का साफा, गमछा, और पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, धरमपुरी विधायक कालुसिंह ठाकुर, सांसद प्रत्याशी श्रीमती सावित्री ठाकुर, जन भागीदारी अध्यक्ष ओम प्रकाश दय्या, सुनीता दुबे,अशोक जाट,गुजरी मंडल अध्यक्ष हुकुम वसूनिया, रविंद्र परिहार, जिला महामंत्री पवन कुशवाह,,मंच पर उपस्थित हुए, जिनका टीम द्वारा साफा व पुष्प माला से स्वागत किया गया, इस मौके पर जनजातीय विकास मंच, जिला पूर्ण कालिक रामप्रसाद जी मचार, सामाजिक समरसता प्रमुख, चंद्रशेखर कुशवाह,, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश मावी, उपाध्यक्ष दिलीप गिरवाल, युवा प्रमुख, रघु निनामा , सुखदेव बादुकिया, नरसिंग कटारे, राधेश्याम डावर , शंकर भाबर मनोज मेड़ा, सरपंच अनिल डावर, मदन मुवेल, दिनेश गिरवाल, प्रेम डावर, गोपाल गिरवाल, व वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ता मंच पर उपस्थित थे, उक्त जानकारी, जन जाति विकास मंच उपाध्यक्ष दिलीप गिरवाल ने दी

आबकारी विभाग ने सोनकच्छ व्रत में कार्यवाही कर 06 प्रकरण किये दर्ज

देवास –लोकसभा निर्वाचन–2024 के मद्देनजर देवास जिले में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती मंदाकिनी दीक्षित के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में वृत्त सोनकच्छ में भौरासा में डेरो में आबकारी टीम ने कार्यवाही की। कार्यवाही में 110 लीटर हाथ भट्टी एवं 4200 किलो ग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया ।लाहन को मौके पर विधिवत नष्ट किया गया, कार्यवाही में कुल 06 प्रकरण धारा 34(1) के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए, जप्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 04 लाख 42 हजार रुपये है । कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक निधि शर्मा राजकुमारी मंडलोई, प्रेम यादव, , उमेश स्वर्णकार, डी पी सिंह, दिनेश भार्गव, विजय कुचेरिया , कैलाश जामोद तथा आबकारी मुख्य आरक्षक दीपक धुरिया ,राजाराम रायकवार, आबकारी आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, राजेश जोशी, विकास गौतम, नितिन सोनी, अरविन्द जिनवाल गोविंद बड़वादिया निकिता परमार और नगर सैनिक शामिल थे। जिले में आबकारी विभाग द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

लोकसभा निर्वाचन 2024 से संबंधित शिकायत एवं जानकारी हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

मंदसौर / लोकसभा निर्वाचन 2024 से संबंधित शिकायतों के लिए कार्यालय कलेक्टर भवन जिला मंदसौर के कक्ष क्रमांक 113 में जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का स्थानीय न . 07422– 235440, 235425 है। इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय हेल्पलाइन न. 1950 पर भी संपर्क कर निर्वाचन संबंधी जानकारी ले सकते है, एवं शिकायत भी कर सकते है।

जिले में आवारा कुत्तों (श्वान) द्वारा आमजन पर हमला करने की घटनाओं को नियंत्रण करने के लिए जिले में

1973 की धारा 144 (2) लागू

मंदसौर/ लोकहितों को दृष्टिगत रखते हुए कानून एवं सूरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु मंदसौर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (2) के प्रावधानों को लागू करते हुए सम्पूर्ण जिले की राजस्व सीमाओं में आदेश जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार जिले में स्थित समस्त वेज /नान–वेज (मॉस–मटन) होटल/ढाबा संचालक, मछली/मुर्गा व अण्डे का विक्रय करने वाले दुकानदार/संचालक उनके संस्थान/ दुकान से निकलने वाले वेस्ट मटेरियल को खुले में नही डालें एवं उसका निस्तारण इस प्रकार करे कि, वेस्ट मटेरियल का भक्षण कुत्ते या अन्य कोई जानवर नहीं कर सके। जिले की राजस्व सीमा में स्थित पशु–पालक अपने किसी पशु की मृत्यु होने पर मृत पशु को खुले में नही डाले तथा जिले में स्थित गोशालाओं में भी यदि किसी पशु की मृत्यु हो जाती है तो मृत पशुओं का निस्तारण संबंधित स्थानीय निकाय जैसे नगरपालिका नगर परिषद, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत आदि को सूचित कर कराया जाये। गौशालाओं में पशु की मृत्यु का दिनांकवार रजिस्टर संधारित किया जावे। जिले में स्थित समस्त नगर पालिका नगर परिषद/ जनपद पंचायत/ ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र में इस प्रकार के दलों का गठन करें कि उन्हे क्षेत्र में पशु के मृत होने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मृत पशु को उठवाया जावे एवं उसका निस्तारण विधिनुसार इस प्रकार से करावें कि मृत पशुओं का भक्षण कुत्ते या अन्य जानवर नही कर सके। दलों की गठन की सूचना आम–जन को भी दी जावे ताकि वे परस्पर संसूचित कर सकें। क्षेत्र में कही भी पशु के मृत होने क जानकारी मिलने पर आम–जन इसकी सूचना नगर पालिका/नगर परिषद, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत को दें ताकि मृत पशु के निस्तारण की कार्यवाही शीघ्रता से की जा सके। आम–जन भी अपने घरों से निकलने वाला वेस्ट खाद्य पदार्थ खाना आदि बाहर खुले में नहीं डाले एवं उसका निस्तारण नगर पालिका/स्थानीय निकायों की कचरा गाड़ी में डाल कर किया जावे। ह आदेश सर्वसाधारण आम–जनता/समस्त वेज/नान–वेज (मॉस–मटन) होटल, ढाबा संचालक, मछली/मुर्गा व अण्डे का विक्रय करने वाले दुकानदार/संचालकों को संबोधित है और इसकी तामिली प्रत्येक व्यक्ति पर सम्यकरूपेण करना और सुनवाई संभव नहीं है। उक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता धारा 188 के तहत कार्यवाही की जायेगी।

होली के त्यौहार पर ताजी बनी हुई मिठाईयों एवं शुद्ध खाद्य पदार्थों का ही विक्रय करें

अखाद्य रंग मिलाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेंगी

देवास–होली के त्यौहार को देखते हुए देवास जिले में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन के जांच दल द्वारा नमूने लेने की कार्यवाही की जा रही है। श्रीमती निर्मला सोमकुंवर अभिहित अधिकारी ने खाद्य कारोबारकर्ता/मिठाई विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि होली के त्यौहार पर ताजी बनी हुई मिठाईयों एवं शुद्ध खाद्य पदार्थों का ही विक्रय करें। शुद्ध खाद्य पदार्थों का ही निर्माण एवं विक्रय करें। खाद्य पदार्थों में अखाद्य रंग अथवा किसी नशीले पदार्थ को मिलाकर निर्माण एवं विक्रय न करें। अखाद्य रंग मिलाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के जांच दल ने देवास में पटेल डेयरी उत्तम नगर इटावा देवास से मिश्रित दूध (लूज), श्री सांवरिया सेठ मिल्क कार्नर मेन रोड़ बावड़िया देवास से घी (लूज), महावीर मिल्क कार्नर बावड़िया मेन रोड देवास से मिश्रित दूध (लूज) एवं श्री नारायण दूध डेयरी भगतसिंह मार्ग मीरा बावड़ी देवास से मिश्रित दूध (लूज) व घी (लूज) के लीगल नमूनें लिये एवं खातेगांव में दिलखुश स्वीट्स नमकीन एण्ड बेकरी खातेगांव से मिल्क केक (लूज) व मलाई बर्फी (लूज) के लीगल नमूनें एवं मावा और पेड़ा के सर्विलेंस नमूने लिये एवं कन्नौद में मेव दूध डेयरी आष्टा रोड़ कन्नौद से मिश्रित दूध (लूज), गोपाल कचोरी महात्मा गांधी मार्ग कन्नौद से लस्सी (लूज) व मावा कतली (लूज) के लीगल नमूने एवं मलाई बर्फी (लूज) व इमरती के सर्विलेंस नमूनें लिये जाकर सभी नमूनें जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को भेजे गये।

आबकारी विभाग द्वारा 1 लाख 52 हजार रूपये की मदिरा व महुआ लाहन किया जप्त

बुरहानपुर– जिले में लोकसभा आम निर्वाचन–2024 को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा 21 मार्च एवं 22 मार्च को वृत दक्षिण तथा नेपानगर के ग्राम सिवल, डाल मोह, हसीनाबाद, डोईफोडिया, डेढ़तलाई, दाहिंदा, साजनी रैयत एवं बालापाट क्षेत्र में दबिश दी गई। यह जानकारी जिला आबकारी अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह धाकड़ ने दी। उन्होंने बताया कि दबिश के दौरान 105 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 1290 किलो महुआ लाहन एवं 30 पाव प्लेन देशी मदिरा जप्त कर कुल 18 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। जप्त मदिरा का अनुमानित मूल्य लगभग 1 लाख 52 हजार रूपये है। यह कार्यवाही वृत दक्षिण/नेपानगर प्रभारी एस.एस.मोरे, प्रधान आरक्षक बसंत जटाले, आरक्षक नरेंद्र कुमरावत एवं अनिता रावत द्वारा की गई।

हर पोलिंग बूथ पर 370 वोट बढ़ाना हमारा ही लक्ष्य होगा : विश्वास सारंग

घट्टिया/. भारतीय जनता पार्टी घट्टिया विधानसभा प्रबंधन समिति की बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश शासन के सहकारिता मंत्री और क्लस्टर प्रभारी विश्वास सारंग ने कहा कि कार्यकर्ता फील गुड में नहीं रहे। निश्चित रूप से यह लोकसभा चुनाव हम जीतने जा रहे हैं, पर कार्यकर्ता अति आत्मविश्वास में ना रहे। इस चुनाव को लोकसभा का चुनाव नामांकर पंचायत या पार्षद के चुनाव की तरह लड़े पार्टी ने हमें हर पोलिंग बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य दिया है। जिसे आवश्यक रूप से पूर्ण कर घट्टिया विधानसभा से भाजपा को कम से कम 70000 की बढ़त मिलना चाहिए। इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी एवं इंदौर के पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। कार्यकर्ताओं की मेहनत और पुरुषार्थ से भाजपा आज अपने बलबूते प्रदेश के कई राज्यों में अपनी सरकार चल रही है। वहीं केंद्र में पार्टी को इस बार तीन चौथाई बहुमत कार्यकर्ताओं की मेहनत और पुरुषार्थ से अवश्य ही मिलेगी। इधर क्षेत्रीय सांसद एवं पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया ने कहा कि प्रदेश एवं केंद्र की कई जन्म विदेशी योजनाओं का लाभ आमजन को मिला है। कार्यकर्ता पब्लिक के बीच जाकर लाभार्थी संपर्क कर अपनी योजनाएं बढ़ाकर उन्हें वोट के रूप में परिवर्तित करने का प्रयास करें। लोकसभा प्रभारी एवं नागदा खाचरौद के विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह बोरमुंडल, विधानसभा प्रभारी वीरेंद्र कावड़िया, लोकसभा सहप्रभारी ओम जैन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन विधानसभा संयोजक अशोक कटारिया ने किया। आभार मंडल अध्यक्ष अरविंदसिंह सोलंकी ने माना। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कैलाश बोड़ाना ने दी।

कांग्रेस के पूर्व नेता, रॉयल कॉलेज के चेयरमैन प्रमोद गुगालिया एवं पूर्व विधायक मनोज चावला भाजपा में शामिल

रतलाम मध्यप्रदेश कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के पूर्व विधायक मनोज चावला और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद गुगालिया ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। दोनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रतलाम प्रवास के दौरान भाजपा की सदस्यता ली।प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार शनिवार को रतलाम पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां से बरबढ रोड क्षेत्र स्थित एक मैरिज गार्डन पर भाजपा के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक लेने पहुंचे। बैठक शुरू होने से पूर्व यहां बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। कांग्रेस नेता एवं आलोट विधानसभा के पूर्व विधायक मनोज चावला और रॉयल कॉलेज ग्रुप के चेयरमैन प्रमोद गुगालिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। दोनों वरिष्ठ नेताओ का मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्री चेतन्य काश्यप और भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी भी मंचासीन रहे।

खाद लूट कांड के आरोपी हैं पूर्व विधायक चावला कांग्रेस के पूर्व विधायक मनोज चावला ने आज प्रदेश अध्यक्ष पटवारी को संबोधित पत्र में पार्टी से अपने त्यागपत्र दिए जाने की जानकारी साझा की। चावला के विरुद्ध आलोट में खाद लूट का प्रकरण भी दर्ज हुआ था जिसमें वे मुख्य आरोपी हैं। मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में प्रकरण विचाराधीन है। इधर नामली में कांग्रेस

नेताओं ने चावला के पोस्टर पर कालिख पोत दी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कांग्रेस नेता बंटी डाबी चावला के पोस्टर पर कालिख पोतते नजर आ रहे हैं।

गुगालिया पहले ही दे चुके थे इस्तीफा रॉयल कॉलेज के चेयरमैन प्रमोद गुगालिया पहले ही पार्टी को नमस्ते कह चुके थे। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव और पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद गुगालिया केन्द्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय, रेल मंत्रालय व कपड़ा मंत्रालय के बोर्ड में डायरेक्टर व सदस्य भी रहे है।श्री गुगालिया शिक्षा, चिकित्सा, फिल्म निर्माण व सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रहे है, इनके द्वारा वर्ष 1996 से संचालित शैक्षणिक संस्थानों में 1 लाख से भी अधिक विद्यार्थियों ने अध्ययन किया है। फिल्म निर्माण और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गुगालिया द्वारा भाजपा की सदस्यता स्वीकार कर सभी को चौंका दिया है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी दिनों में जिला कांग्रेस के कई और भी नेता भी भाजपा का दामन छोड़ सकते हैं।

स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खवासा में मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

झाबुआ । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान (जिला नोडल स्वीप) के मार्गदर्शन में शुक्रवार को जनपद पंचायत थांदला ग्राम पंचायत खवासा में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह ग्राम ज्योति महिला संघ की दीदियों द्वारा मतदान जागरूकता की आकर्षक रंगोली बनाकर शत प्रतिशत मतदान करने हेतु संदेश दिया गया। समूह की दीदियों द्वारा मतदान जागरूकता हेतु मेंहदी लगाकर जागरूक किया गया। सभी उपस्थितजनों को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई

गई और अधिक से अधिक मतदान करने हेतु समझाया गया। खवासा पंचायत में पारंपरिक नृत्य के माध्यम से मतदान जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे, जागरूकता रैली में ग्रामवासियों को मतदान का महत्व और उपयोगिता बताते हुए शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नायाब तहसीलदार , जन अभियान परिषद, पंचायत समन्वक, पटवारी, एनआरएलएम कर्मचारी, शिक्षक, कोटवार अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी और आंगनवाड़ी कर्मचारी एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मानव सहित समस्त जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए जल संरक्षण एक महत्वपूर्ण योगदान है..... एडवोकेट श्रीमती मीनू लालवानी

नीमच-मानव इतिहास की प्रगति के लिए जल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है वर्तमान में मानवीय गतिविधियों के कारण संपूर्ण भारत में कई जगह जल संकट गहराता जा रहा है जल संकट के चलते मानव स्वास्थ्य व समस्त कल्याण पर इसका नाकारात्मक प्रभाव पड़ता जा रहा है समस्त देश में पहले से ही लगभग 65 से 76 पर्सेंट लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं पानी का कई प्रतिशत भूजल खेती व सिंचाई के उपयोग में लिया जाता है एवं कुछ प्रतिशत उद्योगों व फैक्ट्रियों में उपयोग किया जाता है उसके बाद कुछ ही प्रतिशत भूजल यानी लगभग 8 से 10 प्रतिशत देश में पेयजल पीने के लिए उपयोग में लिया या जाता है जल संरक्षण की परंपरागत पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो देश में जल आपूर्ति की मांग जरूरत से दोगुनी हो जाएगी भूजल संरक्षण रोकने के लिए देश के समस्त प्रदेश,जिले, शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित छोटी बड़ी नदियों,तालाबों की साफ सफाई कर जलकुंभियों को निकाला जाकर बारिश व नदियों के पानी के संरक्षण को रोक जाकर देश की समस्त जनता व जीव - जंतुओं के लिए जल आपूर्ति को रोका जा सकता है क्योंकि जल से ही जीवन है इसलिए देश के समस्त इलाकों में निवासरत सर्व समाज के लोगों को जल संरक्षण के लिए समाज के सभी लोगों को जागरूक बना जागरूकता लाने के लिए प्रेरित किया जाना होगा जिसके लिए देश के हर हिस्से में एक ऐसे सेमिनार का आयोजन कराना जरूरी है जिसमें सेमिनार के माध्यम से पानी बचाने व जल संरक्षण के लिए हम सभी को जल की महत्वता की जानकारी से रूबरू करा सके इसलिए जहां जल है वहां जीवन है को आगे बढ़ते हुए जल संरक्षण के लिए जन-जन को आगे आना होगा ओर और जन-जन को आगे लाना होगा और जल संरक्षण को रोकने का प्रयास करना होंगा तथा पानी की महत्वता को ध्यान मैं रखते हुए जल संरक्षण के लिए बंद पड़े कुओं,नलो से बहने वाले व्यर्थ पानी को रोकने व छोटी बड़ी नदियों की सफाई पर ध्यान दिया जाकर नदियों के विकास का मार्ग खोलकर जल संरक्षण का बचाव कर देश में आने वाले जल संकट से निजात पाकर जल संरक्षण का बचाव किया जा सकेगा इसलिए अंतरराष्ट्रीय जल दिवस के अवसर पर जल की महत्वता को ध्यान में रखते हो जल को बचाने का प्रयास कर जल को व्यर्थ ना बहने दे क्योंकि जल है तो कल है और जल ही जीवन है।

स्व. नागूलाल मालवीय शासकीय महाविद्यालय घट्टिया में लगी पुस्तकों की प्रदर्शनी

घट्टिया/. तहसील मुख्यालय स्थित स्व. नागूलाल मालवीय शासकीय महाविद्यालय घट्टीया में पुस्तकालय की और से पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. शेखर मैदमवार ने किया। प्रदर्शनी के दौरान प्राचार्य डॉ. शेखर मैदमवार ने कहा कि पुस्तकों का महत्व कभी कम नहीं होता है। पहले की तरह आज भी पुस्तकें अति महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि किताबों की सुगंध इतनी मोहक होती है, इसके संपर्क में आने वाले मनुष्य को एक दोस्त बना लेती है। पुस्तकालय प्रभारी डॉ. मनीष परमार ने पुस्तक भेंटकर प्राचार्य का स्वागत किया। डॉ. मनीष परमार ने बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विविध ज्ञानोपयोगी पुस्तकों की और आकर्षित करना है। इन पुस्तकों में सामान्य ज्ञान की पुस्तकें, विभिन्न प्रतियोगिताओं से संबंधित पुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, मुद्रित पत्र-पत्रिकाएं सम्मिलित की गई है। इस अवसर पर महाविद्यालय के श्याम रावत, ओपी कटारा, मनीष बैरागी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण आदि मौजूद रहे।

क्रांतिकारी वीर शहीद सरदार भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु की पुण्यतिथि पर समाज सेवियों ने दी श्रद्धांजलि,पुजे न शहीद गए तो , फिर आजादी कौन बचाएगा

धरती को मां कहकर, मिट्टी को माथे से कौन लगाएगा

नीमच/ देश की आजादी में अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले भारत माता के वीर सपूत क्रांतिकारी युवा जांबाज स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम सरदार भगतसिंह 23 वर्ष, पंडित शिवराम हरि राजगुरु 22 वर्ष, पंडित सुखदेव थापर 24 वर्ष की आयु में ब्रिटिश सरकार की तानाशाही नीति से 24 मार्च को प्रातः की बजाय एक दिन पूर्व रातों रात 23 मार्च 1931 को लाहौर सेंट्रल जेल में इन वीर क्रांतिकारी युवाओं को फांसी दे दी गई, एवं इनके शवों को तत्काल फौजी ट्रकों से लाहौर में सतलुज नदी के किनारे हुसैनीवाला में चिता की लपटों को सौंपकर आधी जली हालत में अस्थियों को देश वासियों के भय से जल्दबाजी में नदी में बहा दी गई, ऐसे वीर क्रांतिकारी युवा शहीदों की पुण्यतिथि पर स्वच्छता विकास अभियान संस्था, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था, सुभाष सैना, कृति संस्था एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों द्वारा शनिवार दिनांक 23 मार्च को प्रातः 8 बजे शहीद पार्क (पारसी बावड़ी) परिसर में 1 घंटे श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया गया इस अवसर पर वीर क्रांतिकारी युवा शहीदों की आदमकद प्रतिमाओं को जल से स्नान कराया गया, इसके बाद उपस्थित सदस्यों ने परिसर में तिरंगा झंडा का वंदन कर राष्ट्र गीत के साथ ही माय रंग दे बसंती चोला....का गान कर आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर 5 मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि दी गई, इससे पूर्व संस्था संयोजक डॉ हरनारायण गुप्ता, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के अध्यक्ष किशोर बागड़ी,कृति संस्था के पुर्व अध्यक्ष किशोर जवेरिया, वर्तमान अध्यक्ष बाबूलाल गोंड, लायन्स क्लब नीमच सेन्ट्रल के पुर्व अध्यक्ष राजेंद्र जरौली, डॉ राकेश वर्मा, आदि ने वीर शहीदो के जीवन पर प्रकाश डाला, आयोजित कार्यक्रम में हरीवल्भ मुच्छाल, रमेश मोरे, डॉ हरनारायण गुप्ता, राजकुमार सिन्हा, किशोर बागड़ी, जगदीश शर्मा, बाबूलाल गोंड डॉ राकेश वर्मा, रामल्ला रामलख्यानी, दुलीचंद कनेरिया, किशोर कर्णिक, कैप्टन आर सी बोरीवाल, रंजन स्वामी, डॉ पारस जैन, लखेरा समाज के बालकिशन नैनवाया, आदि ने वीर शहीदो के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई उक्त जानकारी संस्था प्रवक्ता डॉ राकेश वर्मा ने दी है

आओ भारत को प्रगतिशील विचारो का देश बनाकर भगतसिंह का सपना पूरा करे - कादरी

गंजबासौदा । शहीद ए आजम भगतसिंह, सुखदेव , राजगुरू के शहादत दिवस पर सेमरी मे कार्यक्रम आयोजित कर उनको याद किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश रिछारिया ने करते हुए भगतसिंह को युवाओ का रोल मॉडल बताया उन्होने युवाओ से भगतसिंह के विचारो को अपनाने की बात कही । मुख्य अतिथि साक्षरता सह समन्वयक महेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा देश को आज़ादी दिलाने के लिये 2 करोड 72 लाख हमारे बुजुर्गों ने अपनी जानो की कुर्बानी दी तब हमे

आजादी मिली है इसकी कीमत पहचानिऐ। विशेष अतिथि मध्यप्रदेश तृतीय कर्म संघ अध्यक्ष राजकुमार पाराशर ने कहा भगतसिंह कहते थे बुराई इसलिए बढ रही है क्योकि सज्जन लोग चुप है हमको हर अन्याय अनीति कुरीति का विरोध करने आगे आना होगा अब कोई भगतसिंह नही आऐगा उनके काम हमको करना है । मुख्य वक्ता योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा भगत सिंह चाहते थे कि स्वतंत्र भारत प्रगतिशील विचारों पर आधारित ऐसा देश बने, जिसमें सबके लिए समता व सामाजिक न्याय सुलभ हो । ऐसा तभी संभव है, जब उसके निवासी ऐसी वर्गचेतना से संपन्न हो जाएं, जो उन्हें आपस में ही लड़ने से रोके , तभी वे समझ सकेंगे कि उनके असली दुश्मन , जो उनके ख़िलाफ़ तमाम हथकंडे अपनाते रहते हैं। सभी गरीबों को , चाहे वे किसी भी जाति, रंग, धर्म के हों, अधिकार एक ही हैं और उनकी भलाई इसी में है कि वे धर्म, रंग, नस्ल के भेदभाव मिटाकर एकजुट हो जाएं । शासकीय माध्यमिक विद्यालय सेमरी के प्रधानाध्यापक प्रज्ञानंद जाटव ने कहा कट्टरता नही भाईचारा , नफरत नही मुहब्बत, औरत पर जुल्म नही उसका सम्मान हम सबका मिशन होना चाहिए। कार्यक्रम मे वीर शहीदो की याद मे महिलाओं का सम्मान करते हुए उनको साडी एवं सुहाग की सामग्री वितरित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय जायंट्स ग्रुप ऑफ बुरहानपुर सहेली द्वारा विकलांग दिव्यांग को व्हील चेयर भेंट की

बुरहानपुर जॉयँट्स ग्रुप ऑफ बुरहानपुर सहेली द्वारा 18 मार्च 2024 सोमवार को एक दिव्यांग पुरूष को व्हील चेयर भेंट की गई जिससे वह अपने रोजमर्रा के निजी कार्य करने में सहयोग प्रदान होगा ।जायंट्स ग्रुप ऑफ बुरहानपुर सहेली की अध्यक्ष श्रीमती अंजू काटरवार ने कहा कि हम ऐसे ही और भी जरूरतमंदों की सहायता करते रहेंगे जो भी हमसे हो सकेगा जरूर करेंगे। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष सरोज ठाकुर, सचिन माधुरी सोनवणे, उषा वर्मा, ममता ठाकुर, मनीषा दोलतानी, सुरेखा पाटिल, दुर्गा सुगंधी, कुसुम लता तिवारी, विजया आदि संस्था के मेंबर उपस्थित थे

अयोध्या में राम लला की पहली होली: कालखण्ड में हम

अयोध्या में भव्य राम मंदिर में स्थापित होने वाली रामलला की मूर्तियों के इतिहास में कई रहस्य जुड़े हुए हैं. उजैन के महाराज विक्रमादित्य के काल से लेकर मुगलकाल तक और फिर आधुनिक काल तक जैसे-जैसे अयोध्या में राम जन्मस्थान पर ध्वंस और निर्माण होते रहे वहाँ रामलला की मूर्तियों का स्वरूप और इतिहास भी बदलता रहा. आपको जानकर हैरानी होगी कि 500 साल बाद अयोध्या में इस बार नई मूर्ति रामलला की चौथी मूर्ति है जो अयोध्या में स्थापित की गई है। अयोध्या स्थित अपने मंदिर में विराजमान होने के बाद रामलला की यह पहली होली है. ऐसे में इनके लिए खास गुलाल तैयार किया गया है. यह गुलाल टेसू और कचनार के फूल से तैयार किया जा रहा है अयोध्या स्थित अपने मंदिर में विराजमान होने के बाद रामलला की यह पहली होली है. ऐसे में इनके लिए खास गुलाल तैयार किया गया है. होली का इतिहास विभिन्न किंवदंतियों और कहानियों के साथ हिंदू पौराणिक कथाओं और परंपरा में गहराई से निहित है। इन सबके बीच, होली से जुड़ी सबसे लोकप्रिय किंवदंतियाँ होलिका और प्रह्लाद की कहानियाँ हैं। होली अलाव या होलिका दहन हिंदू पौराणिक कथाओं से होलिका और प्रह्लाद की कहानी पर आधारित एक उत्सव है। इस उत्सव की शुरुआत बुन्देलखण्ड में झाँसी के एरच से हुई। यह कभी हिरण्यकश्यप की राजधानी हुआ करती थी। होली से जुड़ी एक और लोकप्रिय कहानी भगवान कृष्ण और राधा के बारे में है। होली कृष्ण और राधा के बारे में एक चंचल प्रेम कहानी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान कृष्ण जो अपने शरारती स्वभाव के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने अपनी माँ से राधा के सुंदर रंग के विपरीत अपने गहरे रंग के बारे में शिकायत की थी। जवाब में, उनकी मां ने सुझाव दिया की वह राधा के चेहरे को अपने रंग से मेल खाते हुए रंग दें। राधा के चेहरे को रंग से रंगने की यह चंचल क्रिया अंततः रंग और पानी से खेलने की परंपरा बन गई। लोग होली खेलते हैं और अपने प्रियजनों को रंग लगाते हैं जो प्यार, दोस्ती और वसंत के आगमन का प्रतीक है। होली की जड़ें प्राचीन भारतीय रीति-रिवाजों और कृषि पद्धतियों में हैं। यह प्रजनन उत्सव, वसंत के आगमन और नए जीवन के खिलने का जश्न मनाने के लिए भी माना जाता है। होली पर, किसान स्वस्थ फसल के लिए अपने भगवान को समर्पित करते हैं और अपनी भूमि की उर्वरता सुनिश्चित करने के लिए अनुष्ठान करते हैं। रंग और पानी के साथ होली का उत्सव वसंत के रंगीन पुष्पों से सुसज्जित प्रकृति में जीवन के नवीनीकरण का भी प्रतिनिधित्व करता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार कहे या हर कालखंड में होली उत्सव की परम्परा के साथ मनाने के तरीके भी बदलता रहा हैं। प्राचीन मंदिरों में शिल्पकला– मंदिरों की में मूर्ति और चित्रों में अंकित विभिन्न शैलियों में रंगों का वर्णन दिखाई देता है शोधकर्ताओं द्वारा यह पता किया गया है की 600 ईसा पूर्व से या त्योहार मनाया जा रहा है। विजयनगर की राजधानी हंपी में 16वीं शताब्दी के मंदिर हैं वहां पर भी इस तरह के चित्र उपलब्ध हैं अहमदनगर चित्रों और मेवाड़ के चित्रों में भी होली उत्सव मनाने का चित्रण देखने को मिलता है। आर्यों का होलका – सिंधु घाटी की सभ्यता के अवशेषों में भी होली और दिवाली मनाए जाने की सबूत मिले हैं। प्राचीन काल से ही नई फसल का कुछ भाग पहले देवताओं को अर्पित किया जाता रहा है यह त्यौहार वैदिक काल से ही मनाया जाता रहा है होली के दिन आर्य नवत्रिष्टि यज्ञ करते थे। पहले फसल की आगमन को खुशी का त्यौहार भी माना गया है। राक्षसी ढुंढी को जलाया एंव शिव कामदेव को भस्म कर पुनः जीवित – इस दिन राजा पृथु ने अपने राय के बचों को बचाने के लिए राक्षसी टूटी को लकड़ी जलाकर आग में भष्म कर दिया था और इसी दिन शिव ने कामदेव को भस्म करने के बाद जीवित किया था। इसीलिए इस पर्व को बसंत महोत्सव या काम महोत्सव भी कहते हैं होली के विभिन्न नाम से मनाए जाने वाले यह त्यौहार प्राचीन काल से अलग-अलग उद्देश्यों के लिए मनाई जाती रहे हैं इसमें यही है की हार से जीत की ओर बढ़ने का उत्सव है यह होली। फाग उत्सव– त्रैतायुग के प्रारंभ में विष्णु ने धुलि वंदन किया जिसकी याद में धुलेंडी मनाई जाती है होलिका दहन के बाद रंग उत्सव मनाने की परम्परा भगवान श्री कृष्ण की कल से प्रारंभ हुई तभी से इसका नाम फगवाह हो गया क्योंकि यह फागुन मास में आती है। कहां जाता है कि कृष्ण ने राधा पर के संग रंग डालाकर होली खेली थी इसी के बाद में रंग पंचमी मनाई जाती है श्री कृष्ण के समय से ही होली के त्यौहार में रंग को जोड़ा गया है। रॉल्स रॉयस होली का इतिहास कोलकाता के एक मारवाड़ी व्यक्ति कुमार गंगाधर बागला को रुडयार्ड किपलिंग ने 6 साल इस्तेमाल करने के बाद अपनी रॉल्स रॉयस गाड़ी वर्ष 1927 को बेच दी थी। हावड़ा का सत्यनारायण मंदिर भी बागला परिवार की संपत्ति का ही हिस्सा बताया जाता है। इस मंदिर में ही स्थापित है राधाकृष्ण की मूर्तियां जिनकी शोभायात्रा रॉल्स रॉयस होली के दिन गाड़ी में सजाकर निकाली जाती है। बताया जाता है कि साल में सिर्फ दो दिनों के लिए ही इस विंटेज गाड़ी को मंदिर से बाहर निकाला जाता है। पहली, होली के समय जब रॉल्स रॉयस होली मनायी जाती है और राधाकृष्ण की सवारी निकाली जाती है। और दूसरी बार जन्माष्टमी के समय, जब फिर से श्रीकृष्ण की सवारी विंटेज गाड़ी में निकाली जाती है। रॉल्स रॉयस होली– जुड़वा शहर हावड़ा-कोलकाता की रॉल्स रॉयस होली को अगर भारत की सबसे अनोखी होली की लिस्ट में शामिल किया जाए तो ऐसा करना गलत नहीं होगा।

पहली बार सूअर की किडनी का इंसान में सफल ट्रांसप्लांट

अमरीका के डॉक्टरों ने कर दिखाया करिश्मा

नेशनल डेस्क= किडनी खराब होने के कारण जिंदगी और मौत से झूल रहे मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अमरीका में मैसाचुसेट्स अस्पताल के डॉक्टरों ने पहली बार आनुवांशिक रूप से संशोधित सूअर की किडनी का इंसान में ट्रांसप्लांट कर दिया है। डॉक्टरों ने मीडिया में इस कारनामे का खुलासा करते हुए कहा है कि 62 साल के रिचर्ड स्लायमेन में सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया गया है और उन्हें बहुत जल्द अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक अमरीका के बोस्टन शहर में डॉक्टरों ने 16 मार्च को रिचर्ड का किडनी ट्रांसप्लांट किया है। यह खबर अपने आप में बहुत बड़ी है क्योंकि दुनिया में तेजी से लोगों की किडनी खराब हो रही है और इनमें से अधिकांश में किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है। यह किडनी आमतौर पर अपने निकट रिश्तेदारों से ही मैच होती है, दूसरी ओर लोग किडनी दूसरों को देना भी नहीं चाहते हैं। ऐसे में अगर सूअर से ही किडनी मिल जाए तो यह पूरी दुनिया के लिए बहुत राहत भरी बात होगी। अपने ही सेंटर में विकसित किया गया था सूअर सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक रिचर्ड बहुत दिनों से डायबिटीज से पीड़ित हैं। इसी के चलते बाद में उनकी किडनियां खराब हो गई। सात साल तक डायलिसिस पर रहने के बाद 2018 में इसी अस्पताल में रिचर्ड का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था जो इंसान की किडनी थी, लेकिन 5 साल के अंदर ही उनकी किडनी फेल हो गई। अब उन्हें मेसाच्यूसेट्स के ईजेनेसिस ऑफ कैंब्रिज सेंटर में विकसित सूअर की लगाई गई है। किडनी से निकाले सुअर वाले गुण वैज्ञानिकों ने इस सूअर से उस जीन को निकाल दिया जिससे इंसान को खतरा था। इसके साथ ही कुछ इंसान के जीन को जोड़ा भी गया जिससे क्षमता में वृद्धि हुई। ईजेनेसिस कंपनी ने सूअर से उन वायरस को भी निष्क्रिय कर दिया जिससे इंसान में इंफेक्शन हो सकता था। इस तरह जिस सूअर की किडनी का इस्तेमाल किया गया है वह पूरी तरह इंजीनियरिंग का करिश्मा है और इसमें सूअर वाले गुण बहुत कम ही है। पहले भी अन्य जीवों की किडनी पर किए गए हैं प्रयोग नेचर जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक इंसान में सूअर की किडनी को ट्रांसप्लांट करने से पहले इसी तरह दूसरे सूअर के जीन में भी इंजीनियरिंग की गई और इस जेनेटिकली संशोधित किडनी को पहले एक बंदर में ट्रांसप्लांट किया गया और इसे औसतन 176 दिनों तक जिंदा रखा गया। एक अन्य केस में इसे दो साल तक दो साल से ज्यादा दिनों तक जिंदा रखा गया।

ट्रांसप्लांट के लिए होती है लंबी वेटिंग लिस्ट

न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में लेंगोन ट्रांसप्लांट इंस्टीट्यूट के डॉ. रॉबर्ट मोंटेगोमेरी ने बताया कि जेनेट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में तरक्की का नया अध्याय है। जेनोट्रांसप्लांटेशन का मतलब किसी जीव के अंगों को किसी अन्य जीव के अंगों में फिट करना। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में हजारों लोगों को किडनी फेल्योर की समस्या से जूझना पड़ता है। अगर इस तरह से किडनी की वैकल्पिक व्यवस्था होती है यह पूरी दुनिया के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि अकेले अमरीका में एक लाख लोग अंग प्रत्यारोपण के लिए वेटिंग लिस्ट में हैं। इनमें से सबसे ज्यादा संख्या किडनी ट्रांसप्लांट की है।

मॉस्को में समारोह स्थल पर हमले में मृतकों की संख्या 133 हुई, 11 हिरासत

इंटरनेशनल डेस्क = रूस की राजधानी मॉस्को में एक बड़े समारोह स्थल पर हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी में मृतकों की संख्या बढ़कर 133 हो गई है। रूस की शीर्ष जांच एजेंसी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हमलावरों ने गोलीबारी के बाद समारोह स्थल को आग लगा दी। इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह की अफगानिस्तान शाखा ने सोशल मीडिया पर एक बयान में इस हमले की जिम्मेदारी ली है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि अधिकारियों ने हमले में सीधे तौर पर शामिल चार लोगों सहित 11 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने यह भी कहा हमलावर सीमा पारकर यूक्रेन की तरफ जाने की कोशिश कर रहे थे। यूक्रेन ने हमले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। पुतिन ने राष्ट्र के नाम संबोधन में इस हमले को ''बर्बर आतंकवादी कृत्यकरार दिया। इसे रूस में पिछले दो दशक में हुआ सबसे भीषण आतंकी हमला माना जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब देश का यूक्रेन के साथ युद्ध तीसरे साल भी जारी है।

जयपुर की कैमिकल फैक्ट्री में फटा बॉयलर, 5 लोग जिंदा जले

नेशनल डेस्क = जयपुर के पास बस्सी में शनिवार शाम एक रसायन कारखाने में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य झुलस गए। अधिकारियों के अनुसार यह हादसा कारखाने के बॉयलर में विस्फोट के कारण हुआ। जयपुर के जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने मीडिया से कहा,''बस्सी में एक कारखाने के बॉयलर में विस्फोट से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। झुलसे हुए दो लोगों को यहां एसएमएस अस्पताल में लाया गया है। वे भी बुरी तरह से झुलसे हुए हैं। डॉक्टर उन्हें बेहतर इलाज देने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। इलाज में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।उन्होंने कहा कि यह हादसा शाम लगभग साढ़े छह बजे हुआ तथा इसकी पूरी जांच की जाएगी। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि आग लगने से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा,'' जयपुर के समीप बस्सी में केमिकल फैक्टरी में आग लगने की दुर्घटना से हुई नागरिकों की मृत्यु अत्यंत दु:खद है। संबंधित अधिकारियों को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य तेजी से संचालित करने तथा प्रभावितों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।घटना के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गये और कारखाना मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। कारखाना मालिक फरार है।

वायुसेना ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बचाई

300 से अधिक लोगों को किया एयरलिफ्ट

नेशनल डेस्क: जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी हिमपात के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए 328 लोगों को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने शनिवार को हवाई मार्ग से सुरक्षित बचा लिया। वायु सेना के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक 22 जनवरी को शुरू होने के बाद से नागरिक प्रशासन के समन्वय से भारतीय वायुसेना द्वारा कारगिल कूरियर सेवा के तहत अब तक कुल 3,442 लोगों को हवाई मार्ग से बचाया गया है। इस बीच, भारी हिमपात के कारण 434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है। अधिकारी ने कहा, '' वायु सेना की कारगिल कूरियर सेवा के दो विमानों ने शनिवार को 328 यात्रियों को हवाई मार्ग से बचाया। जबकि 144 यात्रियों को एएन-32 की तीन उड़ानों के जरिए श्रीनगर से कारगिल पहुंचाया गया, वहीं 12 यात्रियों को कारगिल से श्रीनगर पहुंचाया गया।उन्होंने कहा कि इसी तरह, 164 यात्रियों ने तीन उड़ानों में जम्मू से कारगिल तक और आठ यात्रियों ने कारगिल से जम्मू तक का सफर तय कर इस सेवा का लाभ उठाया।

बीजिंग में वसंत मेले में बड़ी संख्या में उमड़े चीनी लोग

बीजिंग: भारतीय दूतावास द्वारा यहां आयोजित वसंत मेले में शनिवार को 4,500 से अधिक लोग आए जिनमें ज्यादातर चीनी नागरिक थे। यह मेला नृत्य, व्यंजनों और हस्तशिल्प के माध्यम से भारतीय संस्कृति की झलक प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया। भारतीय दूतावास ने वार्षिक आयोजन के बारे में 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले वर्षों की तुलना में इस साल के वसंत मेले में रिकॉर्ड संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो वसंत के मौसम के प्रति लोगों की उमंग को दर्शाता है। भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत, उप-राजदूत अभिषेक शुक्ला और अन्य वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों ने कार्यक्रम स्थल पर आगंतुकों का स्वागत किया तथा उनके साथ बातचीत की।

अमेरिका ने रूस में घातक आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

नेशनल डेस्क = अमेरिका मॉस्को के पास क्रोकस सिटी हॉल कॉन्सर्ट स्थल पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है, पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है और इस त्रासदी के सामने रूसियों के साथ एकजुटता से खड़ा है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को यह बात कही। ब्लिंकेन ने एक बयान में कहा, '' अमेरिका मॉस्को में कल हुए घातक आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के परिवारों और प्रियजनों और इस जघन्य अपराध से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

भारत अब आतंकवाद की समस्या को नजरअंदाज नहीं करेगा: जयशंकर

इंटरनेशनल डेस्क= विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को एक ''उद्योग के तौर पर प्रायोजित कर रहा है और भारत आतंकवाद की समस्या को नजरअंदाज करने के कतई पक्ष में नहीं है। सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर आये जयशंकर ने सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एनयूएस) के दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान (आईएसएएस) में अपनी पुस्तक 'व्हाई भारत मैटर्स% पर व्याख्यान सत्र के बाद आयोजित सवाल-जवाब के एक सत्र के दौरान ये टिप्पणियां कीं। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''हर देश एक स्थिर पड़ोस चाहता है... और कुछ नहीं तो आप कम से कम एक शांत पड़ोस तो चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, दुर्भाग्य से भारत के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है। उन्होंने पूछा, ''आप एक ऐसे पड़ोसी से कैसे निपटेंगे जो इस तथ्य को खुलेआम स्वीकार करता है कि वह आतंकवाद को शासन के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करता है। जयशंकर ने कहा, ''यह एक बार होने वाली घटना नहीं है...बल्कि लगातार होने वाली घटना है, लगभग उद्योग स्तर पर...तो हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि हमें इस (खतरे) से निपटने का एक तरीका ढूंढना होगा, जिससे हमें इस समस्या से छुटकारा पाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा, ''मेरे पास (इस समस्या का) कोई त्वरित समाधान नहीं है। लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि भारत अब इस समस्या को नजरअंदाज नहीं करेगा। हमारी एक समस्या है और हमें इस समस्या का सामना करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करने चाहिए। जयशंकर ने कहा, ''भारत का रुख अब आतंकवादियों को नजरअंदाज करने का नहीं है।

पापुआ न्यू गिनी में लगे भूकंप के जबरदस्त झटके, रिक्टर स्केल पर 6.9 आंकी गई तीव्रता

इंटरनेशनल डेस्क = उत्तरी पापुआ न्यू गिनी में रविवार को जबरदस्त भूकंप के झटके लगे हैं। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि रविवार (स्थानीय समय) के शुरुआती घंटों में उत्तरी पापुआ न्यू गिनी के एक दूरदराज के हिस्से में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की गहराई 35 किमी मापी गई। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। पापुआ न्यू गिनी में भूकंप आम हैं। पिछले साल अप्रैल में 7.0 तीव्रता के तेज भूकंप में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ 'आप' का विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

नेशनल डेस्क= आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'आप ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा बृहस्पतिवार को पार्टी प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ कैंडल मार्च निकालने और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का पुतला जलाने का फैसला किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हमें जानकारी मिली है कि 'आप के कार्यकर्ता और नेता विरोध प्रदर्शन करेंगे। कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हमने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी है। हम दिल्ली पुलिस के कर्मियों के अलावा अर्धसैनिक बलों की तैनाती सुनिश्चित करेंगे।अधिकारी ने कहा, ''वरिष्ठ अधिकारी अपने-अपने जिलों में स्थिति की निगरानी करते रहेंगे। थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र में कड़ी नज़र रखने और किसी भी विरोध प्रदर्शन के बारे में पता चलने पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में तुरंत सूचित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।भाजपा मुख्यालय, आईटीओ की ओर जाने वाले मार्गों और प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय के सामने पहले से ही बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात किया गया है और बहुस्तरीय अवरोधक लगाए गए हैं। इन स्थानों पर 'आप सदस्यों के मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में इकट्ठा होने की संभावना है। कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक बलों के दंगा-रोधी उपकरणों से लैस जवानों को भी तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने यातायात पुलिस से दिल्ली में सुचारू यातायात सुनिश्चित करने और 'आप कार्यकर्ताओं एवं नेताओं द्वारा विरोध मार्च निकाले जाने की स्थिति में वाहनों को तुरंत किसी वैकल्पिक मार्ग की ओर भेजने की व्यवस्था करने को कहा है। मध्य दिल्ली में निदेशालय के कार्यालय और भाजपा मुख्यालय की ओर जाने वाली सड़कों को कड़े सुरक्षा उपायों के तहत बंद कर दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569